लखनऊ

शनिवार, 20 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 294

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

भगवान ने सिर्फ दो ही रास्ते दिए हैं। या तो देकर जाइए या फिर छोड़कर जाइए। साथ ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए सदा प्रसन्न रहें।

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
41°	29°
Hi	Low

संक्षेप

दिल्ली के मंगोलपुरी में फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। संजय गांधी अस्पताल के पीछे स्थित ऑटो मार्केट के पास एक फर्नीचर की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। घटना रात करीब तीन बजे की है। स्थानीय लोगों ने अचानक दुकान से उठती आग की लपटें और धुआं देखा, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दुकान में बड़ी मात्रा में लकड़ी और फर्नीचर का सामान रखा हुआ था। ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास की अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया। राहत की बात यह रही कि घटना देर रात हुई, जब पूरा बाजार बंद था और वहां लोगों की आवाजाही नहीं थी। यदि यह हादसा दिन के समय होता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। आग लगने से दुकान का लगभग पूरा सामान नष्ट हो गया, जिससे दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरों को हटाने की मांग, हाईकोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। पिछले दिनों लंदन में दर्जनों जजों के बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की खबरों को मनगढ़ंत और झूठा बताते हुए बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बैडमिंटन एसोसिएशन ने इन खबरों को फर्जी बताते हुए इन्हें हटाने की मांग की है। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर आज दोपहर बाद सुनवाई करने का आदेश दिया है। शुक्रवार को बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से पेश वकील अपूर्व कुरुप ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दर्जनों जजों के लंदन में बैडमिंटन खेलने की खबरें वायरल हो गई हैं। इन खबरों से ये खेल बदनाम हो रहा है। मेंशनिंग के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें याचिका की एडवांस कॉपी मिल चुकी है और इस संबंध में फर्जी खबर कई गुणा तेज गति से वायरल हो रही है। वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि चीफ जस्टिस सूर्यकांत और कुछ केंद्रीय मंत्रियों के साथ देश के करीब 75 जज लंदन जाकर बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। ये सारा आयोजन देश के करदाताओं के पैसे से किया गया। इस वायरल पोस्ट से देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे। लोग बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले जजों की ईमानदारी पर भी सवाल उठाने लगे। हालांकि सरकार की फैक्ट चेकिंग यूनिट ने इस खबर

सीएम योगी ने अखिलेश यादव को बताया बाबर को मानने वाले लोग, बोले- सपा विधायक रहे मनोज पाण्डेय को अयोध्या जाने से रोका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण में अडंगा डालने वालों पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में कुछ घंटे के दौरे में राम नगरी को ₹378 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का उपहार दिया। उन्होंने राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सहित 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास एवं वीरांगना झलकारी बाई की मूर्ति का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की एसआईटी की पड़ताल पर प्रकाश डालने के साथ विपक्षी दलों और विशेषकर समाजवादी पार्टी की कलई खोली। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की तुलना बाबर से कर दी। उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी के विधायक के रूप में मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि अयोध्या में सभी विधायकों को दर्शन करने के लिए जाना चाहिए तो अखिलेश यादव ने तुरंत रोक लगा दी। यह तो स्पष्ट है कि उनकी भक्ति प्रभु श्री राम पर नहीं थी, वे तो बाबर को मानने वाले लोग हैं।

सीएम ने कहा-सपा का दोहरा चरित्र

समाजवादी पार्टी के दोहरे चरित्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभक्तों को अपमानित करने और माफिया की कब्र पर फातिहा पढ़ने वाले हमें उपदेश न दें। जिन्हें कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल बनवाने से फुर्सत नहीं थी, वे झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगाते। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव की भक्ति राम के प्रति नहीं, वह बाबर की पूजा करने वाले लोग हैं।

रामभक्तों पर गोली चलाने वाले उपदेश देना बंद करें

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामभक्तों पर गोली चलाने, राम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करने, न्यायालय में अधिवक्ता खड़ा करके राममंदिर निर्माण में रोड़े अटकाने, रामभक्तों को अपमानित करने और माफिया की कब्र पर फातिहा पढ़ने वाले उपदेश देना बंद करें। एसआईटी की रिपोर्ट आने तक कतई बयानबाजी न करें, यह जांच को प्रभावित करती है। जांच के बाद किसी भी पक्ष को बात कहनी है तो एसआईटी तैयार रहेगी, लेकिन चरित्र हनन व अयोध्या को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास न करें। सपा को निशाने पर लेते हुए सीएम ने कहा कि 2017 के पहले शासन करने वालों ने कामाख्या धाम को नगर पंचायत, सड़कों, विवाह मंडपम, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली व राशन योजना आदि का लाभ नहीं दिया, क्योंकि उनमें संवेदना और इच्छाशक्ति नहीं थी। उनके लिए जनता नहीं, परिवार मायने रखता था। नौकरी, सुविधाएं सिर्फ उनके खानदान को मिलती थीं। जिन्हें कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल से फुर्सत नहीं थी, वे झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगाते।

अयोध्या का भव्य स्वरूप बर्दाश्त नहीं कर पा रहे रामविरोधी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का सोलर सिटी बनना, फोरलेन कनेक्टिविटी, महर्षि वाल्मीकि के नाम पर एयरपोर्ट, निषादराज के नाम पर रैन बसेरा, मां शबरी के नाम पर भोजनालय, सरयू के आंचल में बनी राम की पैड़ी, पंचकोसी, 14 कोसी व 84 कोसी परिक्रमा का भव्य स्वरूप सपा व कांग्रेस को अच्छा नहीं लगता। रामविरोधी लोग अयोध्या के भव्य स्वरूप को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में 12 वर्षों में 'India First' की भावना राष्ट्रीय चरित्र बन गई है।

आज मचल रही है कांग्रेस

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करते हुए कहा कि भगवान राम का मंदिर न बनने पाए, इसके लिए कांग्रेस ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था। उच्चतम न्यायालय में शपथ पत्र दिया था कि राम तो हुए ही नहीं। जिसने आपके सामने पहचान का संकट खड़ा किया, वह कांग्रेस आज अयोध्या पर मचल रही है। कह रही है कि रामभक्तों का अपमान हो रहा है। जब कांग्रेस ने जगत नियंता राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा किया, तब रामभक्तों का अपमान नहीं हुआ। कारसेवकों पर गोली चलाने और जय श्रीराम बोलने पर लाठियां भांजने वाली समाजवादी पार्टी रामभक्तों के अपमान की बात कह रही है, उपदेश दे रही है।

धोखे और चुनौतियों के बावजूद असली शिवसेना ने 60 साल पूरे किए : संजय राउत का दावा

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (UBT) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि कई चुनौतियों, धोखे और राजनीतिक झटकों का सामना करने के बावजूद पार्टी ने 60 साल का शानदार सफ़र पूरा किया है। उन्होंने यह बात शिवसेना की डायमंड जुबली (हीरक महोत्सव) के मौके पर कही। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 'असली शिवसेना' बताया और मराठी अधिकारों के लिए एक क्षेत्रीय आंदोलन से राष्ट्रीय राजधानी तक पहुँचने वाली राजनीतिक ताकत बनने तक के इसके सफ़र को याद किया।

राउत ने कहा कि आज शिवसेना की 60वीं वर्षगांठ है, यानी असली शिवसेना की डायमंड जुबली (हीरक महोत्सव) है। शिवसेना ने अब 60 साल का लंबा सफर तय किया है - पहले बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व में और फिर माननीय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में। पार्टी की शुरुआत का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस संगठन की स्थापना 60 साल पहले मराठी लोगों के न्याय और अधिकारों के लिए की गई थी। उस समय लोग मज़ाक में कहते थे कि यह संगठन, यानी शिवसेना, छह महीने भी नहीं टिकेगा। भविष्यवाणी की गई थी कि शिवसेना कभी मुंबई और ठाणे से बाहर नहीं निकल पाएगी।

उन्होंने कहा कि वे सभी अनुमान गलत साबित हुए। शिवसेना ने मुंबई, ठाणे और महाराष्ट्र में जीत हासिल की और आखिरकार दिल्ली तक पहुँची। शिवसेना ने 60 साल का लंबा सफर तय किया है।

अभिजीत दीपके की पीएम मोदी को चिट्ठी, नीट पेपर लीक के पीड़ितों के लिए मांगा एक करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक विवाद के बीच अब सुसाइड मामलों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बड़ी मांग की है। दीपके ने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से सुसाइड करने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की है। इसके साथ ही, दीपके ने शिक्षा व्यवस्था में विफलता का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें बर्खास्त करने की मांग की है।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने पत्र में लिखा, 'मैं आज भारी मन से आपको यह पत्र लिख रहा हूं, ताकि आपका ध्यान एक ऐसे गंभीर संकट की ओर आकर्षित कर सकूं, जो हमारे राष्ट्र के भविष्य को ही खतरे में डाल रहा है, हमारे युवा छात्रों के जीवन और मानसिक स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है।'

दीपके ने अपने पत्र में दावा किया कि छले एक सप्ताह में 11 नीट उम्मीदवारों ने सुसाइड किया है। सबसे सबसे चिंताजनक बात यह है कि इनमें से पांच दिल दहला देने वाली घटनाएं पिछले 48 घंटों के भीतर हुई हैं। दिपके का आरोप है कि बार-बार होने वाले परीक्षा विवादों से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई छात्र मानसिक दबाव झेल रहे हैं।

आर्थिक बर्बादी का सामना कर रहे पीड़ित परिवार

दीपके ने पत्र में लिखा, 'पिछले दो महीनों में, मैं व्यक्तिगत रूप से उन कई शोकग्रस्त परिवारों से मिला हूं जिनके छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। अपने बच्चे को खोने के असहनीय भावनात्मक आघात के अलावा, ये परिवार अब गंभीर और लगातार बिगड़ती आर्थिक बर्बादी का सामना कर रहे हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में, कई परिवारों ने अपने बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए भारी मात्रा में शैक्षिक ऋण लिए थे, जो व्यवस्थागत विफलताओं के कारण बेरहमी से चकनाचूर हो गए। जिन बच्चों की शिक्षा पर उन्होंने अपनी पूरी जमा पूंजी लगा दी थी, उन्हें खो देने के बाद ये परिवार पूरी तरह से बेसहारा हो गए हैं। सरकार को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। हम मांग करते हैं कि आपका प्रशासन कागजी सूचनाओं के रिसाव के बढ़ते संकट के कारण आत्महत्या करने वाले सभी परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा जारी करे।'

शांति सभी के लिए अच्छी : अमेरिका और ईरान डील पर बोले शशि थरूर, भारत को मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक 'शांति-प्रिय देश' के तौर पर भारत को इस घटनाक्रम का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि इससे देश और दुनिया दोनों को फ़ायदा होगा। समझौते के महत्व पर बात करते हुए थरूर ने कहा कि इससे उन ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई फिर से शुरू हो सकेगी जो टकराव की वजह से रुक गई थीं।

पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि बात यह है कि हमारे देश को इस तरह के हालात का काफ़ी अनुभव रहा है। एशिया में, यहाँ तक कि दक्षिण कोरिया में भी फ़ैक्टरियाँ बंद हो रही थीं। इसलिए, ऐसे हालात में जब कोई समाधान निकलता है और शांति आती है, तो यह सभी के लिए अच्छा होता है, दुनिया के लिए अच्छा होता है। उन्होंने भारत के लिए आर्थिक फ़ायदों पर भी ज़ोर दिया, ख़ासकर ज़रूरी चीज़ों के आयात के मामले में।

थरूर ने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि इसके बाद, हमारे तेल और गैस, हमारे फ़र्टिलाइज़र, हमारे एल्युमीनियम की सप्लाई जो वहाँ से आती थी और जो सप्लाई वहाँ फंसी हुई थी, वे सभी आ पाएँगी। इसलिए, जब यह सब हो जाएगा, तो मुझे लगता है कि पूरे देश और दुनिया को इससे फ़ायदा होगा। ग्लोबल स्टेबिलिटी पर भारत का रुख़ दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'मेरी राय में, हम एक शांति-प्रिय देश हैं और हमें निश्चित रूप से इसका समर्थन करना चाहिए।'

केजरीवाल ने छात्रों का बढ़ाया हौसला, बोले- आप सफल होंगे, बस आत्मविश्वास रखें

नई दिल्ली, एजेंसी। 21 जून को होने वाली नीट यूजी की दोबारा परीक्षा से पहले, AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनसे शांत और आत्मविश्वास से भरे रहने को कहा। परीक्षा देने वाले छात्रों से बात करते हुए, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें सलाह दी कि वे पिछले कुछ महीनों में की गई अपनी कड़ी मेहनत पर भरोसा रखें और परीक्षा के दिन बेवजह तनाव न लें। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी तैयारी पर ध्यान दें। केजरीवाल ने कहा कि नीट जैसी हाई-प्रेशर वाली परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आत्मविश्वास, संयम और अपनी कोशिशों पर भरोसा बहुत ज़रूरी है। यह परीक्षा पूरे भारत में अंडरग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले का ज़रिया है। लाखों उम्मीदवार दोबारा होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले हैं, ऐसे में उन्होंने छात्रों से सकारात्मक सोच रखने और पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की अपील की। अपना संदेश खत्म करते हुए केजरीवाल ने उम्मीदवारों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, 'आप यह कर सकते हैं।' केजरीवाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि छात्रों को अपनी महीनों की मेहनत पर भरोसा रखना चाहिए और परीक्षा के दिन बेवजह का दबाव नहीं लेना चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों से सकारात्मक रहने और नतीजे की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अपील की। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जो देश भर में अंडरग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले का ज़रिया है। हर साल, लाखों छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में सीमित सीटों के लिए मुकाबला करते हैं।

राहुल गांधी के बर्थडे पर कॉकरोच जनता पार्टी का रिएक्शन, कहा- 'हम चाहते हैं कि आप...'

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी से जेएमएम तक के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने भी राहुल गांधी को बर्थडे विश करते हुए बड़ी मांग की है। कॉकरोच जनता पार्टी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे आपको लंबी और खुशहाल ज़िंदगी दें। हमें उम्मीद है कि आप संसद में युवाओं की आवाज उठाएंगे।'

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में से एक हैं और वर्तमान में लोकसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभा रहे हैं। उनके जन्मदिन पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं भेजीं और उनके स्वस्थ एवं लंबे जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी शुक्रवार को 56 वर्ष के हो गए।

राहुल गांधी मना रहे 56वां बर्थडे, PM मोदी ने किया विश, बोले- 'मैं उनकी...'

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं. प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की. कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को 56 वर्ष के हो गए. उनके जन्मदिन के मौके पर देशभर से राजनीतिक नेताओं, समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में लिखा, 'लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की प्रार्थना करता हूं.' कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता और सामाजिक मुद्दों पर

1 नवंबर से नॉन-बीएस6 गाड़ियों पर बैन, पार्किंग फीस डबल, पीयूसीसी अनिवार्य... दिल्ली का विंटर एक्शन प्लान अभी से तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। चारों ओर धुंध छाई रहती है। लोगों को जहरीली सांस लेकर जीना पड़ता है। प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने इस बार पहले से तैयारी शुरू कर दी है। सीएम रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को शीतकालीन वायु गुणवत्ता प्रबंधन व्यवस्था की घोषणा की। इसके तहत नवंबर से फरवरी तक प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कई नए नियम लागू किए जाएंगे। इसमें सबसे खास बात यह है कि 1 नवंबर से 31 जनवरी तक राजधानी में दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड नॉन-BS VI कमर्शियल गाड़ियों की एंट्री पर रोक रहेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब तक प्रदूषण बढ़ने के बाद प्रतिबंध लगाए जाते थे, जिससे लोगों और विभिन्न एजेंसियों को तैयारी का समय नहीं मिल पाता था। अब सरकार पहले से ही सभी जरूरी कदमों की जानकारी दे रही है, ताकि सभी संबंधित विभाग और लोग समय रहते तैयार हो सकें।

वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड गैर-बीएस-6 कमर्शियल वाहनों के राजधानी में प्रवेश पर रोक रहेगी। अब दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर केवल उन्हीं वाहनों को तेल दिया जाएगा, जिनके पास पॉल्यूशन सर्टिफिकेट (PUCC) होगा। इससे प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

वर्क फॉर्म होम करेंगे कर्मचारी

इसके साथ ही सरकारी और प्राइवेट ऑफिसों में अलग-अलग समय पर काम शुरू करने की व्यवस्था लागू की जाएगी। कई कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होगी और ट्रैफिक के साथ-साथ प्रदूषण भी घटेगा।

निजी वाहनों के उपयोग को कम करने के लिए सरकार ने पार्किंग शुल्क बढ़ाने का फैसला किया है। 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक दिल्ली की अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग फीस दोगुनी कर दी जाएगी।

निर्माण कार्यों पर रहेगी सख्त निगरानी

सर्दियों में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए निर्माण कार्यों पर भी नजर रखी जाएगी। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक सभी निर्माण एजेंसियों को पर्यावरण संबंधी नियमों का पालन करना होगा। विशेष रूप से 10 दिसंबर 2026 से 20 जनवरी 2027 के बीच प्रदूषण का स्तर बढ़ने की संभावना रहती है। ऐसे में कुछ निर्माण कार्यों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। हालांकि जरूरी और आपातकालीन परियोजनाओं को छूट मिल सकती है। बड़े निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट सप्रेशन सिस्टम का इस्तेमाल अनिवार्य किया जाएगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर योगी का पहला बयान, बोले- हमने एसआइटी बनाई है, वो दूध का दूध और पानी का पानी करेगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को पहली बार अयोध्या पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 1857 के बाद अंग्रेजों ने देश के युवाओं को दबाने का प्रयास किया, लेकिन युवा दबा नहीं। चौरी-चौरा, काकोरी ट्रेन को अंजाम दिया। अंग्रेज ज्यादा दिन ठहर नहीं पाए। आज यह देश आजाद है। नए उत्तर प्रदेश में हम रहे हैं।

झलकारी बाई ने देश की आजादी के लिए फिरंगियों को नाको चने चबाने के लिए मजबूर कर दिया था। राष्ट्र नायकों का सम्मान करना राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करता है। हमारी सरकार ने महारानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अनेक अभियान प्रारंभ कराया। हमने वीरांगनों के नाम पर 3 पीएसी की यूनिट बनाए हैं। यह वीरांगना झलकारी बाई, अवंतीबाई, उदादेवी पासी के नाम पर हैं। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन तीनों बटालियन में सिर्फ बेटियां ही भर्ती होंगी।

सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहते हैं राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले और राम के नारे लगाने पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। अयोध्या के बारे में समाचार पत्रों से सुनने को मिला। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। लेकिन, मैं सभी पक्षों से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे।

सपा पर जमकर बरसे योगी

सीएम योगी ने कहा, अब हर गरीब के घर में फ्री में शौचालय बन रहा है। जिन लोगों ने 2017 के पहले शासन किया था। आखिर उन्होंने कामाख्या धाम को नगर पंचायत क्यों नहीं बनाया। यहां की सड़कें क्यों नहीं बनाईं। क्यों गरीब को तब राशन नहीं मिल पाता था।

क्योंकि, उन लोगों में संवेदना और इच्छाशक्ति नहीं थी। उनके लिए आपके कोई मायने नहीं। सिर्फ परिवार ही उनके लिए सबकुछ है। नौकरी मिलेगी तो उनके खानदान को, सुविधा मिलेगी तो उनके खानदान को, वो वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगवाते, क्योंकि उनको कब्रिस्तान की बाउंड्री से ही फुर्सत नहीं मिलती थी। उनकी सोच ही कब्रिस्तान तक सीमित थी।

विजय नारायण हत्याकांड में पुलिस अफसरों के कार्य व्यवहार से कोर्ट नाराज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विजय नारायण सिंह हत्याकांड से जुड़े मात्र एक आरोपी के खिलाफ चार्जशीट भेजने एवं अन्य अन्य नामजदो के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद उसे नजरअंदाज कर उन्हें जानबूझकर क्लीनचिट देने के आरोप से जुड़े मामले में कोर्ट के बार-बार आदेश के बावजूद कोतवाली पुलिस एवं विभाग के उच्चाधिकारी आख्या पेश कर पाने में असफल रहे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत ने मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस अधिकारियों के जरिये पेश की जाने वाली आख्या का अवसर समाप्त कर दिया है। बृहस्पतिवार को सामने आए आदेश में अदालत ने मामले में पुलिस की लगातार लापरवाही को देखते हुए अगली कार्रवाई बढ़ाने के लिए दो जुलाई की तारीख तय की है। अदालत ने जारी आदेश की प्रति आरोपी पुलिस ऑफिसर सीमा सरोज एवं पुलिस अधीक्षक को भी भेजने का आदेश जारी किया है।

कोतवाली नगर के नारायनपुर के रहने वाले सतीश नारायण सिंह ने सात अप्रैल साल 2024 को स्थानीय कोतवाली में पल्लवी होटल के सामने अपने भाई विजय नारायण सिंह की गोली मारकर हुई हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने अंबेडकर नगर जिले के महरुआ के रहने वाले नामजद आरोपी अजय सिंह सिलावट के खिलाफ चार्जशीट पेश किया था, जिसके खिलाफ एडीजे प्रथम की अदालत में ट्रायल चल रहा है।

रंगदारी वसूलने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार, रकम बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले की अखंड नगर थाना पुलिस ने फाइनेंस पर चल रही गाड़ियों को ट्रैक कर उनके चालकों और मालिकों से डराकर रंगदारी वसूलने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वसूली गई धनराशि भी बरामद की है, जबकि मामले में शामिल दो अन्य आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फाइनेंस कंपनियों से जुड़े वाहनों की जानकारी जुटाने के लिए ऐप के पुराने पासवर्ड का कथित तौर पर दुरुपयोग किया। इसके जरिए वे उन वाहनों की जानकारी हासिल करते थे जिनकी किश्तें बकाया थीं। इसके बाद वाहन की लाइव लोकेशन ट्रैक कर रास्ते में रोकते और कंपनी की कार्रवाई तथा वाहन सीज कराने का डर दिखाकर मोटी रकम वसूलते थे। मामले का खुलासा तब हुआ जब 18 जून को अंबेडकर नगर निवासी नीरज कुमार ने अखंड नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि उनका वाहन चालक लेकर जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने वाहन रोककर बकाया किश्त के नाम पर डराया-धमकाया और पैसे वसूल लिए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की और मीरपुर क्षेत्र के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश सिंह और सौरभ उर्फ गोलू गिरी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे कुल चार लोगों का समूह बनाकर यह काम करते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह विभिन्न जिलों में सक्रिय होकर ऐसे वाहनों की जानकारी जुटाता था जिनकी किश्तें समय पर जमा नहीं हो पाती थीं और फिर उन्हें निशाना बनाकर अवैध वसूली करता था।

पुलिस ने बताया कि मामले में दो अन्य आरोपी अनुभव श्रीवास्तव और नितेश सिंह फिलहाल फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमों को लगाया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य जिलों से मिली शिकायतों की भी जांच कर रही है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में सभी आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है।

एसआइटी के लिए अबूझ पहेली बना रामलला को उपहार में मिला बहुमूल्य हार-चरणपादुका, नहीं मिल रही रसीद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय जौनपुर के विश्वकर्मा परिवार की ओर से उपहार में दिया गया बेशकीमती हार व चरण पादुका विशेष जांच दल (एसआइटी) के लिए अबूझ पहेली बन गया है।

चौथे दिन एसआइटी ने हार व चरण पादुका को खोजने या उसकी जानकारी लेने का प्रयास किया, परंतु पता नहीं चला। रामशंकर यादव टिन्नू व कृष्णदेव तिवारी के साथ रामलला के चार पुजारियों को भी बुलाया गया।

पुजारी मोहित पांडेय ने बताया कि मैंने हार पहनाने के बाद टिन्नू को वापस कर दिया था। टिन्नू यही रट लगाए है कि उसे ईंट के रूप में गलाने को बेंगलुरु भेजा गया था। अब एसआइटी हार का असली पता खोज रही है। सूत्रों ने बताया कि एसआइटी के सदस्य लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत, लखनऊ रेंज आइजी किरण एस. व विशेष सचिव वित्त विभाग नीलरतन कुमार ने गुरुवार दोपहर तीन बजे हार व चरण पादुका की खोज शुरू की।

राम मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव के माध्यम से तीन वरिष्ठ पुजारियों अशोक उपाध्याय, संतोष तिवारी व प्रेमचंद्र त्रिपाठी और साल भर पहले नियुक्त पुजारी मोहित पांडेय को ग्रीन हाउस बुलाया गया। जब यह पता चला कि उस समय वरिष्ठ पुजारी नहीं, युवा पुजारी मोहित पांडेय थे, तो उनसे तस्दीक हुई।

सूत्रों ने बताया कि मोहित ने रामलला को पहनाने के बाद टिन्नू यादव को लौटाने की बात कही, तो एसआइटी ने टिन्नू से पूछा। उसने यही बताया कि उसे उसी समय बेंगलुरु भेज दिया गया था। आभूषण रखने वाले कृष्णदेव तिवारी ने भी इससे अज्ञानता जताई। सूत्रों ने बताया कि अब उसकी न तो ईंट मिल रही, न रसीद।

अयोध्या के रोकड़िया हनुमान मंदिर के आचार्य विनोद मिश्रा ने दो दिन पहले मीडिया के सामने आकर बताया था कि जौनपुर के जंगही निवासी उनके भक्त अजय विश्वकर्मा ने पिता केदारनाथ व अन्य परिजनों के साथ 200 किमी पैदल अयोध्या आकर टिन्नू यादव के माध्यम से रामलला को रत्न जड़ित हार व चरण पादुका भेंट की थी।

हार पर द्वादश ज्योतिर्लिंग उकेरा गया था, तो पादुका पर 64 चरणों के चिह्न अंकित थे। दोनों बहुमूल्य रहे। उस समय उसकी पहने हुए रामलला की फोटो देने की भी बात हुई थी, लेकिन आज तक नहीं दी गई। अजय मुंबई में कारोबार करते हैं और उन्होंने वहीं पर उसे बनवाया था।

अवैध टैक्सी स्टैंड और बेलगाम ई-रिक्शा से चरमराई यातायात व्यवस्था

सुल्तानपुर। शहर की यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती नजर आ रही है। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों गंदानाला, चौक, शाहगंज, बाधमंडी, रेलवे स्टेशन रोड, कुड़वार नाका, नेशनल सिनेमा रोड और पंचरास्ता में डग्गामार वाहन और ई-रिक्शा चालक बिना रोक-टोक संचालन कर रहे हैं। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक बीच सड़क वाहन खड़ा कर सवारियां भरते हैं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है। कई स्थानों पर बिना निर्धारित रूट और बिना यातायात नियमों का पालन किए वाहन चलाए जा रहे हैं। नगर पालिका द्वारा निर्धारित टैक्सी स्टैंड के बजाय अन्य स्थानों से अवैध रूप से टैक्सी संचालन भी जाम की बड़ी वजह बन रहा है। गल्लामंडी चौराहा, सब्जीमंडी रोड ओवरब्रिज, मालगोदाम रोड, बाधमंडी, पयागीपुर, कुड़वार नाका ओवरब्रिज, राहुल चौराहा और डीएम आवास के पास खुलेआम सड़क किनारे वाहन खड़े कर सवारियां भरी जा रही हैं।

जनसेवा को समर्पित रहा राहुल गांधी का जन्मदिवस, मरीजों व तीमारदारों तक पहुंची कांग्रेस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का जन्मदिवस शुक्रवार को जनसेवा, समर्पण और मानवता के संदेश के साथ जिले में मनाया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों की सेवा कर जन्मदिवस को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास किया।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला कांग्रेस कार्यालय में हुई जहां कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और राहुल गांधी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिला चिकित्सालय एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां भर्ती मरीजों तथा उनके तीमारदारों के बीच फल वितरित किए गए। इस दौरान मरीजों का हालचाल भी जाना गया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। यह आयोजन कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा एवं शहर अध्यक्ष के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के कमजोर, जरूरतमंद, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों की आवाज बनना तथा उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना रहा है। इसी भावना के तहत उनके जन्मदिवस को उत्सव की बजाय सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। फल वितरण कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों एवं उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जिले के सभी ब्लॉकों में भी ब्लॉक अध्यक्षों के नेतृत्व में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर मरीजों एवं उनके तीमारदारों के बीच फल वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बनकर संघर्ष करते रहे हैं। उनके जन्मदिवस पर सेवा कार्यों का आयोजन कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का प्रयास किया है। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के विचारों और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता और सहयोग पहुंचाना ही संगठन का उद्देश्य है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा राहुल गांधी के स्वस्थ, सुखी, सफल और दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता गण जफर खान, सरदार परमजीत सिंह, निकलेश सरोज, आरबी पांडेय, राहुल त्रिपाठी, वरुण मिश्र, रणजीत सिंह सलूजा, शीतला साहू एवं चौथी राम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फोटो खिंचवाने को कहा तो हरियाणवी डांसर ने कर दी गालियों की बौछार, ग्रेटर नोएडा का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक हरियाणवी डांसर के गाली-गलौज करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो तीन-चार दिन पहले का बताया जा रहा है, जिसमें हरियाणवी डांसर दो लोगों के साथ गाली-गलौज करती नजर आ रही है। आरोप है कि तस्वीर खिंचवाने के निवेदन पर डांसर गुस्सा हो गईं और गाली-गलौज करने लगीं।

जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र की कमर्शियल बेल्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें हरियाणवी डांसर डिंपल चौधरी नजर आ रही हैं। वीडियो में डिंपल चौधरी दो लोगों के साथ गाली-गलौज और बदसलूकी करती दिखाई दे रही हैं। वह उन्हें भद्दी-भद्दी गालियां देती हुई भी नजर आ रही हैं।

परिवार के साथ थी हरियाणवी डांसर

दरअसल, डिंपल चौधरी अपने परिवार के साथ कमर्शियल बेल्ट पर आई थीं। इस दौरान किसी व्यक्ति ने उन्हें पहचान लिया और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए कहा। इसी बात पर वह नाराज हो गईं और उन लोगों के साथ गाली-गलौज करने लगीं। जब उन्होंने मौके पर भद्दी-भद्दी गालियां दीं, तो आसपास काफी लोग भी इकट्ठा हो गए।Nसूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर वापस भेज दिया। किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई। हालांकि, किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब यह वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है।

दोनों पक्षों ने दी सफाई

घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम पर लोगों के बीच तीखी बहस छिड़ गई है। हरियाणवी डांसर डिंपल चौधरी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि अगर किसी फैन ने फोटो खिंचवाने के लिए कह दिया था, तो इसके लिए सरेआम गाली-गलौज नहीं करनी चाहिए थी। वहीं, जिन लोगों के साथ डिंपल चौधरी की बहस हुई थी, उनका भी वीडियो सामने आया है। उनका कहना है कि उन्होंने शांतिपूर्वक फोटो खिंचवाने का अनुरोध किया था, लेकिन डिंपल चौधरी इस बात पर भड़क गईं और गाली-गलौज शुरू कर दी। फिलहाल, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

सात साल की बच्ची की है चार आधी-आधी किडनी, रोबोटिक सर्जरी से इलाज करेंगे डॉक्टर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। सात साल की एक बच्ची की चार आधी-आधी किडनी है। चारों किडनी आपस में जुड़ी हैं, जिसको चिकित्सकीय भाषा में डुप्लेक्स किडनी कहा जाता है। चारों में से चार नली निकली है। जबकि सामान्य तौर पर दो किडनी में एक-एक नली होती है। परिजनों के अनुसार डॉक्टर अब रोबोटिक सर्जरी कर किडनी को सही करेंगे।

बच्ची 19 मई से पीजीआई लखनऊ में भर्ती है। सभी किडनियां सामान्य तरीके से काम कर रही हैं। कुशीनगर के निवासी बच्ची के पिता के मुताबिक बेटी को दो साल पहले तेज दर्द हुआ। यूरिन संबंधित दिक्कत भी थी। गोरखपुर में सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड में पता चला कि बेटी के शरीर में चार किडनी हैं। चारों किडनी से नली निकली हैं। सर्जरी से एक नली काटकर दूसरे में जोड़नी होगी। किडनी की दो नलियां आपस में जुड़ने की वजह से यूरिन संबंधी समस्या ठीक हो जाएगी।

बेटी को हुई बीमारी तो पिता ने शुरू किया किडनी पर शोध

पिता ने बताया कि जब बेटी की किडनी से जुड़ी इस समस्या की जानकारी मिली तो मन बहुत दुखी हुआ। लेकिन फिर उन्होंने इसी विषय पर शोध करने का फैसला किया। उनके शोध का विषय ज्योतिषशास्त्रदृष्टया वृक्करोगस्य प्रायोगिकमध्ययनम है। इसका अर्थ है, ज्योतिषीय दृष्टिकोण से गुर्दे की बीमारी का एक प्रायोगिक अध्ययन। शोध में कई अस्पतालों से किडनी की समस्या से ग्रसित बच्चों का डेटा जुटा रहे हैं। उनके अनुसार पीजीआई में जहां बच्ची भर्ती है, वहां 8 से 10 बच्चे ऐसे हैं जिनकी एक किडनी ही है। इसमें आजमगढ़, बलिया, जौनपुर आदि जगहों के बच्चे भर्ती हैं। किसी की एक किडनी है, किसी की दोनों खराब हो गई है। वहीं, किसी बच्चे की किडनी का आकार सामान्य नहीं है।

जन्मजात बीमारी है डुप्लेक्स किडनी का बनना

आईएमएस बीएचयू के यूरोलॉजी विभाग के प्रो. समीर त्रिवेदी के मुताबिक ये जन्मजात बीमारी की श्रेणी में आता है। इसमें किडनी का डेवलपमेंट सही नहीं हो पाया है। जो चीज जुड़कर एक बननी चाहिए, यहां दो अलग-अलग रह गई हैं। कई बार किडनी एक तरफ से दूसरी तरफ चली जाती है। जिस तरह की स्थिति बच्ची की है, उसको चिकित्सकीय भाषा में डुप्लेक्स किडनी बोला जाता है। यानी किडनी दो हिस्सों में बंटी होती है।

क्या है उपचार

यदि कोई समस्या नहीं है तो केवल नियमित निगरानी की जाती है। संक्रमण या अन्य जटिलता होने पर दवाएं दी जाती हैं। गंभीर मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

हुसैन ने दुश्मन के लश्कर को पानी पिलाकर इन्सानियत और मानवता को याद दिलाया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। हुसैनिया बख्शी खां में मजलिस पढ़ते हुए मौलाना इन्तेजाम आब्दी ने कहा हुसैन कर्बला पहुंचने वाले थे तभी यजीदी फौज का सेनापति हुर अपने 1000फौज के साथ हुसैन के लश्कर को घेर लिया लेकिन उसकी फौज और जानवर इतने प्यासे थे कि अगर हुसैन पानी न पिलाते तो उस तेज धूप में सब प्यास से मर जाते जब कि कोई दुश्मन मौका पाकर नहीं चूकता मगर हुसैन ने वहां पर हुर कीफौज पानी पिलाकर इन्सानियत और मानवता को याद दिलाया यही वजह थी कि जब हुसैन के बच्चोंकी हाय प्यास की आवाज हुर के कानों से टकरायी तो उसने जालिम यजीदी की फौज को ठोकर मारकर हुसैन की तरफ आगया उसने कहा हुसैन हक पर हैं हुसैन के पास फौज तो कम है लेकिन खुदा हुसैन के साथ है हुर ने हुसैन की तरफ से जान कुर्बान कर यह बता दिया जिल्लत की जिंदगी से इज्जत की मौत बेहतर है यह जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुल्तानपुर ने दी है।

अयोध्या में महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव पर श्रीराम महायज्ञ शुरू

बिना साक्ष्य के चरित्र पर टिप्पणी करना उचित नहीं: सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के 88 वें जन्म समारोह में सीएम योगी ने संतों के बीच मंच से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह, भ्रामक प्रचार या षड्यंत्र का हिस्सा न बनें। सत्य सामने आने तक अनावश्यक आरोप-प्रत्यारोप से बचना ही उचित होगा। जिन लोगों के पास कोई ठोस प्रमाण हैं, वे उन्हें सार्वजनिक मंचों पर उछालने के बजाए एसआईटी को सौंपें। बिना साक्ष्य किसी के चरित्र पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के 88 वां जन्म महोत्सव श्री राम महायज्ञ व श्री रामकथा से प्रारंभ हुआ। इसके पूर्व सुबह आठ बजे कलश व श्री राम चरित मानस ग्रंथ के साथ शोभायात्रा

निकाली गई, जिसमें रथ पर सवार भगवान श्री राम, माता जानकी के स्वरूप का अलौकिक झांकी और भक्तों के द्वारा नृत्य की प्रस्तुति लोगों को अभिभूत कर दिया। यह यात्रा मणिराम दास छावनी से निकल कर प्रमोदवन के रास्ते रामपथ पर नयाघाट होते हुए बासुदेवघाट से कार्यक्रम स्थल श्री रामकथा कुंज मंडप पर समाप्त हुआ। मणिराम दास छावनी के प्राकृतिक चिकित्सालय स्थित यज्ञशाला में 9 दिवसीय श्री राम महायज्ञ सम्पन्न किया जा रहा है। शुक्रवार अनुष्ठान के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह पति आलोक सिंह मुख्य यजमान रहे। 21 ब्राह्मण के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से आहुतियां भी डाली गई। इसके बाद श्री राम कुंज कथा मंडप में हनुमान निवास के पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नंदिनी शरण के द्वारा रामकथा का पारायण प्रारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि सीएम योगी आदित्यनाथ ने ब्यास पीठ का पूजा अर्चना कर महोत्सव का शुभारंभ किया। मंच पर उतराधिकारी कमल नयन दास, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, विद्याभाष्कर, बिंदू गद्ययाचार्य, राजकुमार दास, मैथिलीशरण दास, जगतगुरु कृष्णाचार्य, रामानन्दाचार्य, विमलाचार्य महाराज मौजूद रहे। श्री मणिरामदास छावनी के पूज्य महंत एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास जी महाराज के 88वें जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या की पहचान प्रभु श्रीराम की मर्यादा से है, इसलिए हर व्यक्ति को अपनी भाषा और आचरण में संयम रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म के संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज जैसे पवित्र तीर्थ भारत की आध्यात्मिक पहचान हैं और इनके सम्मान व मर्यादा से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग पहले कुंभ और राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध करते थे, वही आज भ्रम फैलाने और कीचड़ उछालने का प्रयास कर रहे हैं।

गोंडा में विकास की रफ्तार तेज : CM योगी ने 4901 करोड़ की विकास परियोजनाओं को दी हरी झंडी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोंडा दौरे के दौरान देवीपाटन और बस्ती मंडल के लिए बड़े विकास पैकेज को मंजूरी देते हुए 4901.65 करोड़ रुपये की एक हजार से अधिक परियोजनाओं पर मुहर लगा दी। महाराजा सुहेलदेव सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सड़क, पुल, सेतु, संपर्क मार्ग, हेलीपैड और धार्मिक पर्यटन से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर विस्तार से मंथन किया। मुख्यमंत्री ने मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ, स्वामीनारायण मंदिर, मखौड़ा धाम समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले 13 महत्वपूर्ण मार्गों के विकास को स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक बेहतर संपर्क व्यवस्था से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

कार से हैंडबैग चोरी करने वाली शातिर महिला गिरफ्तार, मोबाइल, दस्तावेज और नकदी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कृष्णानगर थाना पुलिस ने कार से हैंडबैग चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्ता की निशानदेही पर चोरी से संबंधित सामान, महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन तथा नकदी बरामद की है। घटना के अनावरण के बाद पुलिस ने महिला के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार सूर्यनगर, राजाजीपुरम निवासी नीलिमा गुप्ता ने 11 जून 2026 को थाना कृष्णानगर में तहरीर देकर बताया था कि 10 जून को न्यू फेयर सेंटर अमरूदही बाग के पास उनकी चार पहिया गाड़ी खड़ी थी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कार से हैंडबैग चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त

दक्षिणी तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के निर्देशन में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण करने के साथ स्थानीय सूचना तंत्र को भी सक्रिय किया गया।लगातार प्रयासों और मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने 19 जून 2026 को गंगाखेड़ा रेलवे अंडरपास क्षेत्र से एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में महिला की पहचान निशा पत्नी राजू निवासी कांशीराम कॉलोनी, हसनखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान महिला की चोरी की घटना में संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद उसे विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

जन चौपाल में गूंजी क्षेत्रीय समस्याएं, महापौर सुषमा खर्कवाल ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष तथा उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे जन चौपाल अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जोन-5 के गुरु नानक नगर वार्ड स्थित गुलाब वाटिका, चंदर नगर, आलमबाग में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। जन चौपाल में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं, सुझाव और स्थानीय मुद्दे महापौर के समक्ष रखे।कार्यक्रम में पार्षद पीयूष दीवान, अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव, उपनगर आयुक्त रश्मि भारती, सहायक अभियंता कैलाश कुमार, कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, सहायक अभियंता अभिजीत यादव सहित नगर निगम के अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।जन चौपाल के दौरान नाला सफाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

घर का लोहे का गेट गिरने से तीन वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत, खेलते समय हुआ हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में तीन वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। घर के बाहर खेल रही बच्ची पर अचानक लोहे का गेट गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग 8:45 बजे थाना पीजीआई पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मोहिउद्दीनपुर में एक बच्ची घर के गेट के नीचे दबकर घायल हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।जांच में पता चला कि ग्राम मोहिउद्दीनपुर निवासी सूरज की तीन वर्षीय पुत्री अन्वी अपने घर पर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक घर का लोहे का गेट असंतुलित होकर उसके ऊपर गिर गया। गेट की चपेट में आने से बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि परिजनों को संभलने का मौका नहीं मिला।घटना के बाद परिजन और आसपास के लोग आनन-फानन में बच्ची को लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत अवस्था में लाया गया घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह एक हादसा प्रतीत हो रहा है।

किसान पथ पर तेल टैंकर और ट्रैक्टर की भिड़ंत, एक की मौत, तीन घायल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के किसान पथ पर शुक्रवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में ट्रैक्टर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई जब एक तेल टैंकर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 जून 2026 को लगभग 12:30 बजे किसान पथ स्थित रेगुलेटर के पास तेल टैंकर संख्या यूपी-32 ईएन-6802 ने ट्रैक्टर संख्या यूपी-32 डीई-5480 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर पर सवार चार लोग घायल हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया। अस्पताल में उपचार के दौरान मिश्रीलाल पुत्र पाचू लाल, निवासी ग्राम पारा, पोस्ट रजोली, थाना गुडम्बा, लखनऊ, उम्र लगभग 50 वर्ष की मौत हो गई।हादसे में घायल अन्य लोगों की पहचान शहजाद (26 वर्ष), तौहीर (28 वर्ष) और सलीम (40 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी घायल एक ही क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। दुर्घटना में शामिल तेल टैंकर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पूर्वांचल को मिली नई रेल सौगात, ए.के. शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, मऊ से दिल्ली और वाराणसी की कनेक्टिविटी हुई मजबूत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पूर्वांचल के रेल यात्रियों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ, जब उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ रेलवे स्टेशन से नई रेल सुविधाओं के विस्तार का शुभारंभ करते हुए कई महत्वपूर्ण रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। इस पहल से पूर्वांचल की रेल कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिलेगी और लाखों यात्रियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।नई रेल सुविधाओं के अंतर्गत दोहरीघाट से वाराणसी तक नई मेमू ट्रेन सेवा का संचालन प्रारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त मऊ-आनंद विहार (दिल्ली) ट्रेन तथा छपरा-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस का संचालन अब मऊ के रास्ते किया जाएगा। इस निर्णय से मऊ सहित पूर्वांचल के कई जनपदों के यात्रियों को राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों तक पहुंचने में

बड़ी सुविधा मिलेगी।इस अवसर पर ए.के. शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पूर्वांचल की जनता की आवश्यकताओं और मांगों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की जनता की ओर से वे रेल मंत्री का हृदय से धन्यवाद करते हैं, जिनके सहयोग से क्षेत्र को यह महत्वपूर्ण रेल सौगात प्राप्त हुई है।उन्होंने कहा कि भारतीय रेल आज देश की अर्थव्यवस्था की विकास यात्रा की प्रमुख शक्ति बन चुकी है। रेल का प्रत्येक इंजन विकसित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री Narendra Modi के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में भारतीय रेल नई गति और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। आधुनिक तकनीक, बेहतर सुविधाओं और विस्तारित नेटवर्क के माध्यम से रेल व्यवस्था देश के विकास को नई दिशा दे रही है।कार्यक्रम के दौरान मंत्री ए.के. शर्मा ने रेल मंत्री से मऊ-आनंद विहार ट्रेन को साप्ताहिक के बजाय दैनिक किए जाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए दैनिक संचालन से आम लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी।उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पहल पर मऊ जनपद में रेलवे से जुड़े अनेक विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गोठा स्थित 25-सी एवं 27-सी रेलवे अंडरपास के निर्माण कार्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने रेल मंत्री से इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी राहत मिलेगी।ए.के. शर्मा ने कहा कि रेल सुविधाओं का यह विस्तार केवल नई ट्रेनों के संचालन तक सीमित नहीं है।

● संक्षेप ●

राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव मंगू सिंह त्यागी समर्थकों सहित कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव मंगू सिंह त्यागी ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कांग्रेस की नीतियों और शीर्ष नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी का दामन थामा।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने मंगू सिंह त्यागी और उनके समर्थकों को विधिवत पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई।मंगू सिंह त्यागी के साथ अरुण कुमार त्यागी, अक्षय चौधरी, अनुज कुमार त्यागी, ठाकुर सत्यभान सिंह, महेंद्र सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नए सदस्यों का स्वागत किया।सदस्यता ग्रहण करने के बाद मंगू सिंह त्यागी ने कांग्रेस की विचारधारा और नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि देश और प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में कांग्रेस ही वह राजनीतिक दल है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस परिवार में शामिल होने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को सम्मान और जिम्मेदारी दोनों मिलेंगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है तथा कांग्रेस इसी उद्देश्य को लेकर जनता के बीच काम कर रही है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने युवक की मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए आशंका जताई है कि उसकी मौत किसी संभावित जहरीले पदार्थ के सेवन से हुई हो सकती है। मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 और 19 जून 2026 की दरमियानी रात पारा क्षेत्र निवासी यश वर्मा (19) पुत्र संतोष कुमार की मृत्यु होने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने थाना पारा पहुंचकर लिखित सूचना दी। परिजनों का कहना है कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और संभव है कि उसने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया हो। उन्होंने मृत्यु के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की।परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने नियमानुसार सूचना दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस भेज दिया गया। फिलहाल पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही चल सकेगा। रिपोर्ट आने के उपरांत यदि कोई आपराधिक तथ्य सामने आता है तो उसके आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र में युवक की अचानक हुई मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, वहीं परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिससे मौत के कारणों पर से पर्दा उठ सके।

बसपा ने उम्मीदवार चयन को लेकर उठ रहे सवालों को बताया षड़्यंत्र, मिशन 2027 की तैयारी में जुटने का आह्वान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने उम्मीदवार चयन प्रक्रिया को लेकर मीडिया और राजनीतिक विरोधियों द्वारा उठाए जा रहे सवालों को निराधार बताते हुए इसे पार्टी और आंदोलन को बदनाम करने की साजिश करार दिया है। पार्टी ने कहा है कि बसपा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों पर चलने वाली ऐसी राजनीतिक शक्ति है, जो समाज के गरीब, शोषित, वंचित और उपेक्षित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों एवं न्याय के लिए संघर्ष करती है तथा किसी बड़े उद्योगपति या पूंजीपति के सहारे नहीं चलती।जारी बयान में कहा गया है कि बसपा ₹सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय₹ की नीति पर कार्य करने वाली एक सच्ची आंबेडकरवादी पार्टी है, जिसका संचालन पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं के तन, मन और धन के सहयोग से होता है। पार्टी का आरोप है कि यही कारण है कि संकीर्ण, जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी ताकतें समय-समय पर विशेष रूप से चुनाव नजदीक आने पर बसपा, उसके आंदोलन और नेतृत्व को बदनाम करने के प्रयास करती रहती हैं।बयान में कहा गया है कि मीडिया का एक वर्ग अन्य दलों की चुनावी गतिविधियों और रणनीतियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन को लेकर सवाल खड़े करता रहता है। पार्टी का कहना है कि उसे प्राप्त होने वाला आर्थिक सहयोग पूरी तरह वैधानिक तरीके से चुनावी गतिविधियों और उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए खर्च किया जाता है तथा इसमें कुछ भी छिपा हुआ नहीं है।बसपा ने कहा कि उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया के दौरान संभावित प्रत्याशियों की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति के साथ-साथ पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का भी मूल्यांकन किया जाता है। इसी कारण पार्टी पदाधिकारी संभावित उम्मीदवारों से विभिन्न विषयों पर विस्तृत बातचीत और सवाल-जवाब करते हैं, जिसे गलत अर्थों में नहीं लिया जाना चाहिए।पार्टी ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित सभी छोटे-बड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता वर्तमान में संगठन को मजबूत बनाने, सभी वर्गों में जनाधार बढ़ाने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार करने तथा उनकी गहन समीक्षा करने में जुटे हुए हैं।बसपा ने अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की है कि वे विरोधी दलों के कथित दुष्प्रचार और अफवाहों से प्रभावित न हों तथा मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ कार्य करें। पार्टी का दावा है कि आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बसपा की सक्रियता और तैयारियों से राजनीतिक विरोधियों में बेचैनी बढ़ रही है।बयान के अंत में पार्टी ने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक एकता और जनसंपर्क अभियान को और तेज करने का आह्वान करते हुए बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

बीबीएयू के प्रो. नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में ‘एन्वॉयरमेंटल सस्टेनेबिलिटी’ जर्नल ने रचा कीर्तिमान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं पर्यावरण एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान के प्रतिष्ठित शोधकर्ता प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा के प्रधान संपादकत्व में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका ‘एन्वॉयरमेंटल सस्टेनेबिलिटी’ ने अपनी स्थापना के आठ वर्ष पूरे करते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। विश्व की प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित इस जर्नल को क्लैरिवेट (वेब ऑफ साइंस) की नवीनतम रैंकिंग में 4.6 का प्रभाव कारक (इंपैक्ट फैक्टर) प्राप्त हुआ है, जो इसे पर्यावरण एवं जैविक विज्ञान के क्षेत्र की अग्रणी शोध पत्रिकाओं में शामिल करता है।जून 2018 में प्रारंभ

हुई इस शोध पत्रिका ने अपेक्षाकृत कम समय में वैश्विक अकादमिक जगत में अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी शोध पत्रिका के लिए 4.0 से अधिक का इंपैक्ट फैक्टर उत्कृष्ट गुणवत्ता और व्यापक वैज्ञानिक प्रभाव का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में 4.6 का इंपैक्ट फैक्टर प्राप्त करना न केवल जर्नल की गुणवत्ता का प्रमाण है, बल्कि यह इसकी अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और बढ़ते प्रभाव को भी दर्शाता है।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा और उनकी पूरी संपादकीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह जर्नल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास से जुड़े शोध को प्रोत्साहित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय स्थिरता वर्तमान समय की सबसे बड़ी वैश्विक आवश्यकता है और यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा विषय है। ऐसे में सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित यह जर्नल ज्ञान निर्माण और नीति निर्धारण दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने इस उपलब्धि को पूरी संपादकीय टीम, समीक्षकों, लेखकों और सहयोगी संस्थानों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि केवल आठ वर्षों में 4.6 का इंपैक्ट फैक्टर और क्यू-2 श्रेणी की रैंकिंग प्राप्त करना किसी भी नए जर्नल के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने स्प्रिंगर नेचर की कार्यकारी प्रकाशक डॉ. ममता कापिला सहित पूरी टीम के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।उन्होंने बताया कि इस जर्नल की परिकल्पना इसके शुभारंभ से लगभग आठ वर्ष पहले की गई थी। उस समय विश्व स्तर पर बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध मंच की आवश्यकता को महसूस करते हुए एक ऐसे जर्नल की कल्पना की गई थी जो पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़े नवीनतम शोध कार्यों को वैश्विक मंच प्रदान कर सके। इसी सोच को साकार करते हुए स्प्रिंगर नेचर ने जून 2018 में इसका प्रकाशन प्रारंभ किया।आज यह जर्नल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंचों में गिना जाता है। यह शोध पत्रिका पर्यावरण, जैविक विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा नीतिगत विषयों के बीच समन्वय स्थापित करने वाले बहुआयामी शोध कार्यों को प्रकाशित करती है। इसके माध्यम से शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले पियर-रिव्यूड शोध लेखों तक पहुंच उपलब्ध होती है।जर्नल की प्रगति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2024 में इसे पहला 3.0 इंपैक्ट फैक्टर प्राप्त हुआ था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 4.6 तक पहुंच गया है। वर्तमान में यह वेब ऑफ साइंस और स्कोपस जैसी विश्व की प्रमुख इंडेक्सिंग संस्थाओं में सूचीबद्ध है।

लखनऊ में वस्तु एवं सेवा कर चोरी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी के एक बड़े संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए क्राइम ब्रांच, साइबर प्रकोष्ठ, सर्विलांस टीम और इटौंजा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में चार से अधिक फर्जी फर्मों, 107 संदिग्ध पंजीकरणों और करीब ढाई करोड़ रुपये के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार गिरोह गरीब और जरूरतमंद लोगों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी फर्में बनाता था और कर चोरी को अंजाम देता था।मामले की शुरुआत 27 अगस्त 2025 को हुई थी, जब राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त अभिमन्यु पाठक ने इटौंजा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अल्तमस ट्रेडर्स नामक फर्म ने फर्जी किरायानामा और अन्य कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण प्राप्त कर कर व्यवस्था का दुरुपयोग किया तथा राजस्व को भारी क्षति पहुंचाई। शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचना से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।विवेचना के दौरान क्राइम ब्रांच और पुलिस टीमों ने तकनीकी और वित्तीय विश्लेषण किया। जांच में एक संदिग्ध मोबाइल नंबर से जुड़े 10 उपकरणों की पहचान की गई। इन उपकरणों के विस्तृत विश्लेषण में 225 नए मोबाइल नंबर सामने आए, जिनमें से 107 नंबर विभिन्न कंपनियों और फर्मों के पंजीकरण में प्रयुक्त पाए गए। इससे एक बड़े संगठित नेटवर्क के संचालन की पुष्टि हुई। जांच के आधार पर पुलिस ने सीतापुर जनपद के रेउसा थाना क्षेत्र के कलीमपुर निवासी बुद्धिप्रकाश को गिरफ्तार किया। वर्तमान में वह फैजुल्लागंज, लखनऊ में रह रहा था। पूछताछ में सामने आया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर बुद्धा इंटरप्राइजेज, सुप्रीम इंटरप्राइजेज, कुमार ट्रेडर्स, सनलाइट इंटरप्राइजेज और अल्तमस ट्रेडर्स जैसी फर्जी फर्मों के संचालन में शामिल था।पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके साथी गरीब तथा भोले-भाले लोगों को धन का लालच देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते, मोबाइल नंबर और अन्य दस्तावेज प्राप्त करते थे। इसके बाद फर्जी किरायानामा, बिजली बिल और अन्य कागजात तैयार कर उनके नाम पर वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण कराया जाता था। इन फर्जी फर्मों के माध्यम से काल्पनिक बिल बनाकर निवेश कर लाभ का अवैध दावा किया जाता था, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जाता था।

'इंडो-पैसिफिक' Command नाम से ट्रंप को क्या दिक्कत थी? क्या अब बदल गयी है अमेरिका की एशिया पॉलिसी ?

अमेरिका ने एक बार फिर अपने सबसे महत्वपूर्ण सामरिक सैन्य कमान का नाम बदल दिया है। आठ वर्ष पहले डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड किया था। तब यह कदम चीन के उभार के खिलाफ भारत को अमेरिकी रणनीति के केंद्र में लाने की घोषणा के रूप में देखा गया था। अब उसी कमान से 'इंडो' शब्द हटाकर उसे फिर से पैसिफिक कमांड बना देना वैश्विक कूटनीति में नए संकेत पैदा कर रहा है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापार, रूस, पाकिस्तान और पश्चिम एशिया को लेकर तनाव दिखाई दे रहा है।

अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि केवल नाम बदला है, मिशन नहीं। उसका दावा है कि कमान का कार्यक्षेत्र अब भी भारत की पश्चिमी सीमा तक फैला रहेगा और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ 'मुक्त और खुला क्षेत्र' बनाए रखने की प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आएगी। लेकिन सामरिक दुनिया में नाम केवल नाम नहीं होते। वे प्राथमिकताओं, शक्ति संतुलन और भविष्य की दिशा के संकेत भी देते हैं। यही कारण है कि इस बदलाव ने नई बहस छेड़ दी है।

दरअसल, वर्ष 2018 में जब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने 'इंडो-पैसिफिक' अवधारणा को आगे बढ़ाया था, तब उसका सीधा संदेश यह था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब एक साझा रणनीतिक क्षेत्र हैं। चीन की बढ़ती समुद्री ताकत, दक्षिण चीन सागर में उसका आक्रामक रवैया, बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये एशिया-अफ्रीका तक उसके विस्तार और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती मौजूदगी ने अमेरिका को नई सामरिक रचना बनाने पर मजबूर किया था। इसी सोच से क्वॉड समूह को भी नई ऊर्जा मिली, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

अब जब 'इंडो' शब्द हटाया गया है, तो सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका अपनी प्राथमिकताएं बदल रहा है? क्या ट्रंप प्रशासन चीन के साथ सीधे टकराव के बजाय समझौते का रास्ता तलाश रहा है? क्या अमेरिका अब एशिया में अपने दायित्व कम करना चाहता है? क्या भारत अब अमेरिकी रणनीति का केंद्रीय स्तंभ नहीं रहा? यही वह प्रश्न हैं जिन पर दुनिया भर के सामरिक विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का समय भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की मुलाकात से ठीक पहले सामने आया। कभी दोनों नेताओं की दोस्ती विशाल जनसभाओं और गर्मजोशी भरे आलिंगन की प्रतीक मानी जाती थी, लेकिन इस बार माहौल अलग था। व्यापारिक शुल्कों को लेकर विवाद, रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी नाराजगी, भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा संबंधी दिक्कतें, पाकिस्तान के साथ अमेरिका की नई नजदीकियां और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों से भारतीय नाविकों की मौत जैसे मुद्दों ने भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास पैदा की है।

विशेष रूप से पाकिस्तान को अमेरिकी समर्थन को लेकर भारत की चिंता बढ़ी है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप ने कई बार दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि युद्धविराम दोनों सेनाओं के बीच सीधे संवाद से हुआ था, किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से नहीं। इसके बावजूद अमेरिका का यह रुख नई दिल्ली के लिए असहजता का कारण बना हुआ है।

हालांकि अमेरिकी प्रशासन के समर्थक यह तर्क दे रहे हैं कि इंडो पैसिफिक कमांड संबंधी बदलाव को जरूरत से ज्यादा नहीं देखना चाहिए। उनका कहना है कि अमेरिका अभी भी चीन के खिलाफ अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रहा है। अमेरिकी कमांडर सैमुअल पपारो ने चीन के विरुद्ध सैन्य प्रतिरोध मजबूत करने के लिए विशाल रक्षा बजट की मांग की है। अमेरिका और भारत के बीच रक्षा तकनीक, खुफिया साझेदारी और संयुक्त सैन्य अभ्यास भी लगातार जारी हैं। इसलिए केवल नाम बदलने से रणनीति बदल गई है, ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

फिर भी यह तर्क पूरी तरह आश्वस्त नहीं करता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रतीकों की अपनी शक्ति होती है। जब अमेरिका ने 'इंडो'शब्द जोड़ा था, तब उसने दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अब एशियाई शक्ति संतुलन का अनिवार्य हिस्सा है। अब उसी शब्द को हटाना स्वाभाविक रूप से यह आभास देता है कि अमेरिका की सोच में बदलाव आया है।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है।

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान-इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे। यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए। विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही।

टिप्पणी

तेल खरीदना महंगा

पिछले महीने भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एलान किया था कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पांच दिन की भारत यात्रा आई हैं। संभावना है कि उनकी इस यात्रा के दौरान भारत वेनेजुएला से कच्चे तेल की अधिक खरीदारी का सौदा करेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के आखिर में भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस संबंध में एलान किया था। कहा था कि रोड्रिगेज जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। इस घोषणा की पृष्ठभूमि गौरतलब है। पिछले तीन जनवरी को वेनेजुएला पर अचानक हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी का अपहरण करने के बाद अमेरिका ने वहां के तेल भंडार पर अपना पूरा नियंत्रण बना लिया है।

अब अमेरिकी कंपनियां वहां तेल निकालने और बिक्री करने में जुटी हुई हैं। इस बिक्री का पैसा भी अमेरिका के पास जाता है, जो उसमें से वेनेजुएला का हिस्सा अपनी मर्जी से तय कर उसके खजाने में भेज देता है। रोड्रिगेज वेनेजुएला में चाविस्मो (पूर्व राष्ट्रपति उगो चावेज की समर्थक विचारधारा) का प्रमुख चेहरा रही हैं। मगर तीन जनवरी की घटना के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका द्वारा वहां थोपी गई औपनिवेशिक किस्म की व्यवस्था में उन्होंने काम करना स्वीकार किया है। इस बारे में लैटिन अमेरिकी वामपंथी समूहों में अलग-अलग राय है।

एक सोच है कि ऐसा कर रोड्रिगेज आगे और हमलों और इस क्रम में चाविस्मो के सांगठनिक ढांचे को पूरी तरह नष्ट हो जाने से बचा रही हैं। इसे एक तरह की समय काटने की रणनीति बताया गया है। मगर उनके आलोचकों की संख्या भी कम नहीं है। उधर यह भी कम विचित्र नहीं है कि भारत की तेल खरीद संबंधी फैसले अमेरिका ले रहा है। रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत को महंगा पड़ रहा है। मगर डॉनल्ड ट्रंप के काल में अमेरिका से रिश्ता रखने के लिए ऐसी कीमतें चुकाने की अनिवार्य शर्त उसके सभी कथित सहयोगी देशों को चुकानी पड़ रही है। भले बात परेशान करने वाली हो, लेकिन यही सच है कि रोड्रिगेज की भारत यात्रा का एजेंडा वॉशिंगटन से तय हुआ है।

ब्लॉग

पंडित नेहरू के इंडिया से मोदी के भारत तक

हरदीप सिंह पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 जून को हमारे इतिहास के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा में रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। इस दरमियान काफी समय तक भारतीय शासन की सेवा करने के नाते मैं कह सकता हूं कि मोदीकी उपलब्धि कार्यकाल की लंबाई नहीं है। उन्होंने इस पद पर रहते हुए जो कुछ किया, वास्तविक उपलब्धि वह है।

मोदी ने 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजीवन शासन के अंदर गुज़ारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही अंत्योदय कहते हैं। पंडित नेहरू के 'इंडिया और मोदीके 'भारत के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पाँच में से एक से भी कम लोग पढ़-लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस-पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्ज़े में चले गए। योजना आयोग दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएँ, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम - आज़ाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था।

उस व्यवस्था की कीमत तब तक साफ दिखने

लगी थी जब तक मैं अपने करियर के मध्य पड़ाव पर पहुँचा। सरकार ने योजनाओं का आवंटन करना तो सीख लिया था, लेकिन वह वितरण करना नहीं सीख पायी थी। दिल्ली में घोषित किसी योजना और गाँव में मिलने वाले लाभ के बीच का जो फ़ासला था, वहीं सारा पैसा गायब हो जाता था। एक पूर्व प्रधानमंत्री का यह मानना कि हर एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही गरीबों तक पहुँच पाते हैं, इस मॉडल पर अपने आप में एक बड़ा सवाल था। सरकार योजना तो बना सकती थी, लेकिन वह लोगों तक पहुँच नहीं पाती थी।

2014 में मोदी को जो विरासत मिली, उसका भी उतना ही ईमानदार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली थी जिसे बाज़ार ने फ़्रैजाइल फ़ाइव (पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) की श्रेणी में रखा था; जो अटकी हुई परियोजनाओं के बोझ तले दबी थी, दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से घिरी थी जिसने शासन पर से जनता के भरोसे को ही खोखला कर दिया था। इसका समाधान उन्होंने एक बिल्कुल अलग तरह की व्यवस्था बनाकर किया।

योजना आयोग की जगह नीति आयोग ने ले ली, जो राज्यों को निर्देश देने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलता है। पहचान (पहचान पत्र), बैंक खाता और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़ा गया और सरकार ने बिचौलियों के बजाय, जो चार दशकों से अपना कमीशन ले रहे थे, नागरिकों को सीधे भुगतान करना शुरू कर दिया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण एक निर्णायक माध्यम है जो बहुत साधारण लगता है लेकिन इसने शासन के इरादे की बजाय वास्तविक लाभ के मिलने पर ध्यान केंद्रित किया।

इसके बाद जो हुआ, वह एक मंच के रूप में सरकार की नई परिकल्पना थी। भारत ने सार्वजनिक डिजिटल ढांचा और एक ऐसी पहचान व्यवस्था बनाई जो पूरे उपमहाद्वीप में काम करती है। एक ऐसा भुगतान नेटवर्क खड़ा किया गया जिसका आज पूरी दुनिया अध्ययन कर रही है। पचास करोड़ से अधिक जनधन खातों ने उन परिवारों के लिए औपचारिक बैंकिंग के दरवाजे खोल दिए, जहाँ यह सुविधा पहले कभी नहीं पहुँची थी। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, इसी दशक में लगभग पच्चीस करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और जिस अर्थव्यवस्था को बाजारों ने खारिज कर दिया था, वह अब किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेसे बढ़ रही है। जो सरकार कभी नागरिक और उसकी जरूरत के बीच में रुकावट बन जाती थी, वह अब किनारे हटकर उसका आगे बढ़ने का मार्ग बना रही है। भारत शब्द के पीछे यही मूल भावना है।

मैं जिस पद पर हूँ, वहाँ से इस बदलाव के बारे में बात कर सकता हूँ। साल 2014 में, हमारे पेट्रोल में इथेनॉल संमिश्रण का स्तर 1.53 प्रतिशत था। इस वर्ष हम बीस प्रतिशत के स्तर पर पहुँच चुके हैं—एक ऐसा लक्ष्य जो कभी 2030 के लिए तय किया गया था और जिसे हमने आधा दशक पहले ही हासिल कर लिया है। वह पैसा जो कभी कच्चे तेल की खरीद के लिए देश से बाहर चला जाता था, वह अब हमारे किसानों तक पहुँच रहा है, जो हमें अन्न देने वाले अन्नदाता के साथ-साथ अब ऊर्जा देने वाले ऊर्जादाता भी बन गए हैं। इन्हीं वर्षों में, उज्ज्वला योजना ने पहली बार दस करोड़ से अधिक गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुँचाई और इसकी सब्सिडी बिना किसी बिचौलिये के सीधे लाभार्थी के खाते में भेगई। यह अंत्योदय का ही एक रूप है, जो अब लीटर और सिलेंडर के माध्यम से साकार हो रहा है। अब योजनाएँ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को नज़रअंदाज़ नहीं करतीं, बल्कि उन्हीं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं।

यही लेखा-जोखा ईंट और स्टील के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। आवास योजना के तहत उन परिवारों के लिए लगभग चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं, जिनके पास अपना कोई घर नहीं था। 2014 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, आज बीस से अधिक शहरों में दौड़ रही है। हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, और उड़ान योजना ने उन छोटे शहरों के लोगों के लिए भी हवाई यात्रा मुमकिन बना दी है, जहाँ के लोग पहले सिफ़र् आसमान से गुज़रते हुए हवाई जहाज़ों को देखा करते थे। रेलवे का लगभग पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया गया है और अब वहां देश में ही निर्मित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें चल रही हैं। ये सब कोई काल्पनिक बातें नहीं हैं। हर बदलाव का मतलब है—लंबी लाइनें खत्म हुईं, सफ़र में अब पूरा दिन बर्बाद नहीं होता और टपकने वाली छत की जगह एक मज़बूत छत मिल गई है।

बाकी चीज़ों के साथ-साथ वित्तीय ढांचा भी बदला। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने, अपनी शुरुआती तमाम दिक्कतों के बावजूद, देश को एक साझा राष्ट्रीय बाजार दिया—एक ऐसा बाजार जिसे बनाने के प्रयास में पिछले दो दशकों की हर वह सरकार नाकाम रही थी जिसने इसके लिए कोशिश की थी। केंद्र और राज्य अब ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार करने की सुगमता) और वितरण (सेवाओं को जनता तक पहुँचाने) की गुणवत्ता पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं, यह आवंटन को लेकर होने वाले पुराने झगडे से कहीं अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है।

इसी भरोसे ने विदेशों में भारत की छवि को बदला है और देश का प्रतिनिधित्व करने के अपने वर्षों के अनुभव के आधार पर मैं यह बात कह सकता हूँ। पंडित नेहरू की गुटनिरपेक्षता की नीति एक ऐसे गरीब और नए देश के लिए समझदारी भरा कदम था जो किसी एक पक्ष को चुनने का जोखिम नहीं उठा सकता था। वहीं, मल्टी-अलाइनमेंट की मौजूदा नीति एक ऐसे देश का रुख है जो चाहता है कि हर पक्ष उसे अपने साथ जोड़ने की कोशिश करे। भारत अपनी जी-20 की अध्यक्षता को केवल राजधानी तक सीमित रखने के बजाय संघ के हर एक राज्य तक लेकर गया और भारत को विकासशील और अल्पविकसित देशों की आवाज के रूप में पेश करने की इस रणनीति ने एक पुरानी विकासात्मक कमजोरी को नेतृत्व के दावे में बदल दिया। जो देश अपने घरेलू स्तर पर नीतियों के क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त होता है, वह दुनिया के सामने एक अलग ही तरह से बात करता है।

इतने बड़े पैमाने पर किये गए काम की समीक्षा तो होती ही है और हमारे देश जैसे बहस-मुबाहिसे वाले लोकतंत्र में तो यह ज़रूर होगी। लेकिन सरकार से पूछे जाने वाले सवाल स्पष्ट रूप से बदल गए हैं और यही इस सफ़र में तय की गई दूरी का पैमाना है। पंडित नेहरू के भारत में यह सवाल पूछा जाता था कि सरकार क्या दे सकती है। मोदी के भारत में यह पूछा जाता है कि सरकार क्या काम पूरा करके दिखा सकती है और साथ ही उसका सबूत दिखाने पर भी जोर दिया जाता है।

इसीलिए 10 जून का दिन खास है और इसमें दिनों की गिनती उतनी अहमियत नहीं रखती। पंडित नेहरू ने भारतीय राज्य का ढांचा खड़ा किया था। मोदी ने इसे नए सिरे से तैयार किया है ताकि यह उस नागरिक तक पहुंच सके जिसके नाम पर इसे बनाया गया था। मैंने राज्य के इन दोनों रूपों में सेवा की है और मैं जानता हूं कि कतार में खड़ा आखिरी व्यक्ति किस बदलाव को हमेशा याद रखेगा। जो वादा कभी कहीं पहले भरोसे पर मानना ??पड़ता था, वह अब सीधे उसके अपने हाथों में पहुँच रहा है। यही वह विकसित भारत है जिसे हमने 2047 तक बनाने का संकल्प लिया है और जैसा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था- इसकी शुरुआत, कतार के उसी आखिरी व्यक्ति तक पहुँच कर होती है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

भाभी से प्यार: बड़े भाई को इसलिए तड़पा-तड़पा के मारा, लाश के पास बैठकर बहाए आंसू, दुश्मनों से भी दी बदतर मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। आगरा के सदर के सुल्तानपुरा इलाके में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जिसने रिश्तों की कड़वाहट और अनैतिक संबंधों की पराकाष्ठा को उजागर किया है। रेस्तरां कर्मी अमित उर्फ सोमू की हत्या उसके अपने सगे भाई भोलू ने ही की थी। प्रेम संबंधों में बाधक बनने से नाराज भोलू ने अमित को पहले पत्थर से कूचकर अधमरा किया और फिर गमछे से गला घोंटकर उसकी जान ले ली। इस घिनौनी वारदात में पुलिस अमित की भाभी खुशी को भी आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है।

घटना का खुलासा बुधवार सुबह तब हुआ जब सुल्तानपुरा क्षेत्र के एक खेत में अमित का रक्तरंजित शव मिला। सिर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिससे स्पष्ट था कि उस पर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया था। पुलिस ने शव की शिनाख्त छोटी बस्ती निवासी अमित उर्फ सोमू (22) के रूप में की, जो आगरा कैंट क्षेत्र के एक रेस्तरां में काम करता था। प्रारंभिक जांच में मृतक के छोटे भाई भोला ने साथ काम करने वाले एक युवक पर हत्या का शक जताया था, लेकिन पुलिस की पैनी नजर ने सच्चाई को सामने ला दिया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में अमित के घर से निकलने के बाद भोलू भी उसके पीछे जाता दिखाई दिया। एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में हत्या के बाद भोलू को बदहवास हालत में भागते हुए भी देखा गया। पुलिस ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार किया और उसके बाद घर आकर भोलू से पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान, आरोपी भोलू ने हत्या की वारदात को कबूल कर लिया। उसने बताया कि चार महीने पूर्व, 19 फरवरी को अमित की शादी प्रेमनगर निवासी खुशी के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसके और भाभी खुशी के बीच अनैतिक संबंध स्थापित हो गए थे। भाई के जीवित रहते हुए दोनों का साथ रहना मुश्किल हो रहा था। तीन दिन पहले अमित ने भोलू को भाभी खुशी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, जिसके बाद दोनों भाइयों के बीच काफी झगड़ा भी हुआ था। इसके बाद, भाभी खुशी ने ही भोलू से अमित को रास्ते से हटाने की सलाह दी।

बुधवार की सुबह, जब अमित काम के लिए निकला, तो भोलू भी चुपके से उसके पीछे हो लिया। रास्ते में अमित खेत में शौच करने के लिए रुक गया। भोलू भी पीछे-पीछे खेत पर पहुंच गया। अमित को जरा भी शक नहीं हुआ। जैसे ही अमित शौच कर उठा, भोलू ने पास में पड़े एक पत्थर को उठाया और अमित के सिर और मुंह पर कई वार किए। अमित के बेसुध होते ही, भोलू ने गमछे से उसका गला घोंट दिया। जब अमित की हरकतें बंद हो गईं, तो उसने गमछे से उसका चेहरा ढक दिया और वहां से भाग निकला।

वारदात को अंजाम देने के बाद, भोलू ने एक सुरक्षित स्थान पर जाकर अपने हाथ-मुंह धोए और कपड़े साफ किए। इसके बाद वह घर लौटा और दूसरे कपड़े पहन लिए। जब लोगों को हत्या की जानकारी हुई, तो भोलू भी लोगों के बीच शामिल हो गया और रोने का नाटक करने लगा।

उसने पुलिस को यह कहकर जांच को भटकाने का भी प्रयास किया कि उसका भाई किसी सहकर्मी के साथ विवाद में था। अमित की हत्या में भोलू के शामिल होने के शक में जब पुलिस ने घर आकर पूछताछ की, तो भाभी खुशी भी घबरा गई। पति की मौत के बाद भी उसके चेहरे पर कोई शिकन न देखकर पुलिस का शक और बढ़ गया। खुद के इस घिनौने कृत्य में फंसने के डर से, खुशी ने आत्महत्या करने की कोशिश की, हालांकि आसपास के लोगों ने उसे बचा लिया। पुलिस अब इस मामले में भाभी खुशी को भी मुख्य आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है। यह घटना प्रेम, विश्वासघात और अनैतिक संबंधों के ऐसे जाल को उजागर करती है, जिसने एक परिवार को बर्बाद कर दिया।

भैंस खोजने में मदद के बहाने ले जाकर जानलेवा हमले का आरोप, मुकदमा दर्ज

कुड़वार/सुल्तानपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के राम नगर इमलिया गांव निवासी सूबेदार सिंह पुत्र महेंद्र सिंह की भैंस कुछ दिनों पूर्व गायब हो गई थी। जिसे खोजवाने के बहाने ले जाकर युवक के साथ मारपीट कर लहूलुहान करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी है। गुरुवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के कटावा गांव निवासी राजेंद्र यादव पुत्र जगदीश यादव ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि बुधवार को राम नगर इमलिया गांव निवासी सूबेदार सिंह अपने चचेरे भाई शिवम सिंह के साथ आए और बोले कि मेरी भैंस गायब है चलो खोजवा दो।जब मै उनके साथ गया तो मुझे नदी के किनारे ले गए। वहां से शिवम सिंह अपने दोस्तों के साथ चला गया। वहां पर मौजूद आनंद यादव पुत्र राम किशोर यादव निवासी राम नगर इमलिया व वीरू राय पुत्र गुलाब राय निवासी दीन भवानी मठा सूबेदार सिंह के साथ उनके घर ले गया।

'पेंशन प्लान' और एक बड़ी गलती, खाते से उड़ गए 11 लाख रुपये, साइबर ठगों ने ऐसे बनाया शिकार

आर्यावर्त संवाददाता

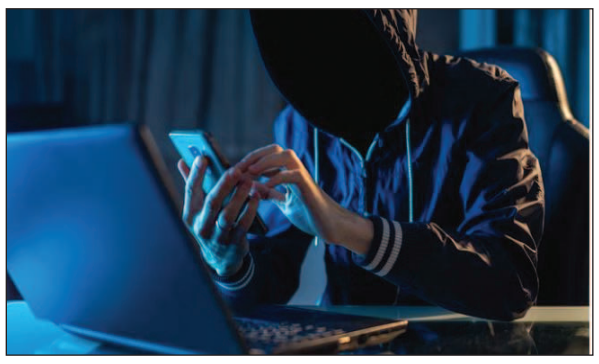

आगरा। साइबर अपराधी ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर बात की और पेंशन प्लान नाम से एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक कर लिया। इसके बाद पीड़ित के खाते से फिक्स डिपॉजिट के 11 लाख रुपये निकाल लिए। शिकायत पर साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

माधवकुंज, प्रतापनगर निवासी किशनपाल खेत्रपाल ने बताया कि 14 जून को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को पीएनबी बैंक का अधिकारी बताया। पेंशन प्लान लेने के बारे में बात की और पेंशन प्लान का ब्राउजर बता पेंशन प्लान नाम की एपीके फाइल भेज दी। फाइल पर क्लिक किया तो उसमें कोई प्लान नहीं था। इसके बाद उनके खाते में जमा फिक्स डिपॉजिट के 11 लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गए। डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य कुमार ने बताया कि मोबाइल नंबर और रुपये ट्रांसफर होने वाले खातों की जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी है।

एपीके फाइल पर क्लिक यानी पासवर्ड बताकर मोबाइल देने जैसा

साइबर अपराधी आजकल एपीके फाइल के जरिये ठगी का एक बहुत आम और खतरनाक तरीका इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर समझ लें कि ये कैसे काम करता है, तो इससे बचना काफी आसान हो जाता है। एपीके फाइल (एंड्राइड पैकेज किट) वह फाइल होती है जिससे एंड्राइड फोन में एप इंस्टॉल किया जाता है। ऐसी फाइल सीधे लिंक या मैसेज से भी इंस्टॉल कराई जा सकती है। क्लिक करते ही मोबाइल में हिडन एप इंस्टॉल हो जाती है। आपके मोबाइल के संदेश, कॉल करने, स्क्रीन रिकॉर्डिंग समेत पूरा मोबाइल कंट्रोल करने की साइबर अपराधी को अनुमति मिल जाती है। वह आपके ओटीपी पढ़ लेता है। बैंकिंग एप की जानकारी लेकर आपके नाम से ट्रांजैक्शन कर लेता है और आपका पैसा साफ हो जाता है।

ऐसे करें बचाव

अनजान लिंक से एप डाउनलोड न करें, केवल गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से ही एप इंस्टॉल करें। कोई अगर एपीके फाइल भेजे तो चाहे वह जान-पहचान वाला हो तो भी इंस्टॉल न करें। कोई साधारण एप अगर एसएमएस या बैंक एक्सेस मांगे तो तुरंत मना करें। मोबाइल में इंस्टॉल फ्रॉम अननोन सोर्स को बंद रखें। एंटीवायरस और फोन को अपडेट रखें और भरोसेमंद सिक्योरिटी एप इस्तेमाल करें। कोई परेशानी होने पर साइबर क्राइम पोर्टल पर या हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें।

बल्दीराय व इसौली उपकेंद्र की विद्युत आपूर्ति ध्वस्त, उमस भरी गर्मी में उपभोक्ता बेहाल

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के बल्दीराय एवं इसौली विद्युत उपकेंद्रों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। लगातार हो रही अघोषित कटौती से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या पर मौन नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान करीब साढ़े नौ घंटे की विद्युत कटौती की गई। इससे मुख्यमंत्री के ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मोहर्रम पर्व को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी धरातल पर बेअसर दिखाई दे रहे हैं। इसौली उपकेंद्र से संचालित तीनों फीडरों पर मंगलवार को प्रातः 6.30 बजे से 8.30 बजे तक, दोपहर 1.00 बजे से 4.00 बजे तक, रात्रि 9.00 बजे से 11.00 बजे तक तथा रात्रि 12.00 बजे से 2.10 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

कांग्रसियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिवस पर जिला कांग्रेस एवं महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन अयोध्या में हर्षोल्लास के साथ केक काटा और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया । इस अवसर पर राहगीरों को मिष्ठान वितरित किया गया तथा भीषण गर्मी को देखते हुए आमजन को शीतल जल एवं पेयजल पिलाया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) केअध्यक्ष जय प्रताप गुप्ता ने जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड में भर्ती बच्चों एवं उनके परिजनों को फल एवं दुग्ध वितरित किए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों एवं वंचित वर्गों की आवाज हैं। उनके जन्मदिवस पर सेवा और जनकल्याण के कार्य कर कांग्रेसजन उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेते हैं।

महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। उनके जन्मदिवस पर आयोजित सेवा कार्यक्रम समाज के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने सदैव जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया है। देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनका समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा नीलम तथा पीसीसी सदस्य राम अवध पासी ने कहा राहुल जी ने जिस प्रकार आप लोगों के सुख-दुख समझने के लिए 4000 किलोमीटर की यात्रा की जो अपने आप में एक मिसाल है जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने कहा कि कि राहुल गांधी का जन्मदिवस कांग्रेस कार्यकर्ता जनसेवा एवं सहयोग एवं संवाद के माध्यम से जनाकांक्षाओं पर खरे उतरकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं, हम कांग्रेस जन उनके विचारों को अंगीकार देश को आगे बढ़ाने हेतु कृत संकल्प हैं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा,उमेश उपाध्याय नाजिश फातिमा, कवीन्द्र साहनी, पंकज सिंह, धर्मेंद्र सिंह फास्टर, अशोक राय, सेवादल जिला अध्यक्ष फ्लावर नकवी, दानिश जिया, मंसाराम यादव, आदि प्रमुख रहे।

शादी से पहले इस हद तक गिर गई दुल्हन ...फर्जी शादी, झूठे दस्तावेज, दूल्हे को भी पहुंचवा दिया जेल

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा में फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का उपयोग कर एक महिला पर युवक से शादी करने का आरोप लगा है। महिला पर युवक के पिता की पैतृक जमीन हड़पने और झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने का भी आरोप है। अदालत के आदेश पर थाना एत्माद्दौला में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एत्माद्दौला निवासी कालीचरन ने अदालत में प्रार्थनापत्र दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुमकुम ने उनके बेटे बंटी से दोस्ती की और उनकी संपत्ति की जानकारी जुटाई। 21 मई, 2020 को कुमकुम के पिता महेश ने बंटी के खिलाफ बेटी को बहलाकर ले जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई। एक महीने बाद 21 जून, 2020 को कुमकुम ने फर्जी आधार कार्ड बनवाया। उसने प्रयागराज के आर्य समाज मंदिर में बंटी से शादी कर ली और उनके परिवार के साथ रहने लगी।

कुमकुम ने 5 अगस्त, 2021 को उन्हें पेंशन कार्ड बनवाने के बहाने फतेहाबाद तहसील बुलाया। वहां राजेंद्र और बंटी को शामिल कर धोखे से खेत का बैनामा करवा लिया। उन्हें इस बैनामे की जानकारी फरवरी 2026 में मिली। कुमकुम ने उनकी पत्नी भूदेवी को धमकाकर उनका प्लॉट भी अपने नाम करा लिया था।

झूठी प्राथमिकी और दस्तावेजों का खुलासा

बीते 14 फरवरी को कुमकुम ने बंटी के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई। उसने 5 लाख रुपये की मांग भी की। हालांकि, 19 फरवरी को कुमकुम ने अदालत में बंटी के पक्ष में बयान दिए। इन बयानों के आधार पर बंटी को 26 मार्च को जेल से रिहा कर दिया गया। अदालत की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुमकुम ने कथित तौर पर फर्जी आधार कार्ड और प्रमाणपत्र बनवाए थे। इन दस्तावेजों का उपयोग बंटी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने और कालीचरन की जमीन का बैनामा कराने के लिए किया गया। आधार कार्ड और स्कूल प्रमाण पत्र में जन्मतिथियां अलग-अलग पाई गईं।

अवैध टैक्सी स्टैंड और बेलगाम ई-रिक्शा से चरमराई यातायात व्यवस्था

सुल्तानपुर। शहर की यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ती नजर आ रही है। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों गंदानाला, चौक, शाहगंज, बाधमंडी, रेलवे स्टेशन रोड, कुड़वार नाका, नेशनल सिनेमा रोड और पंचरास्ता में डग्गामार वाहन और ई-रिक्शा चालक बिना रोक-टोक संचालन कर रहे हैं। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक बीच सड़क वाहन खड़ा कर सवारियां भरते हैं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है। कई स्थानों पर बिना निर्धारित रूट और बिना यातायात नियमों का पालन किए वाहन चलाए जा रहे हैं। नगर पालिका द्वारा निर्धारित टैक्सी स्टैंड के बजाय अन्य स्थानों से अवैध रूप से टैक्सी संचालन भी जाम की बड़ी वजह बन रहा है। गल्लामंडी चौराहा, सब्जीमंडी रोड ओवरब्रिज, मालगोदाम रोड, बाधमंडी, पयागीपुर, कुड़वार नाका ओवरब्रिज, राहुल चौराहा और डीएम आवास के पास खुलेआम सड़क किनारे वाहन खड़े कर सवारियां भरी जा रही हैं।

शरीर पर जख्म देख सिहर उठे लोग, मूक-बधिर मासूम को नोचते रहे कुत्ते, दर्द से तड़पता रहा, चीख भी न सका

आर्यावर्त संवाददाता

हसनपुर (अमरोहा)। हसनपुर की अब्दुल्ला कॉलोनी में बृहस्पतिवार रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर के बाहर खेल रहे सात वर्षीय मूक-बधिर मासूम को आवारा कुत्तों के झुंड ने घेरकर बुरी तरह नोच डाला। काफी देर बाद परिजनों की नजर उस पर पड़ी और उसे गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना से मोहल्ले के लोगों में भारी आक्रोश है। संभल रोड स्थित अब्दुल्ला कॉलोनी निवासी शब्बू का सात वर्षीय पुत्र हम्जा अली रात करीब नौ बजे घर के बाहर मोहल्ले में खेल रहा था।

इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और उस पर हमला बोल दिया। कुत्तों ने बच्चे के शरीर के कई हिस्सों को बुरी तरह नोच डाला। मूक-बधिर होने के कारण हम्जा न तो शोर मचा सका और न ही किसी को अपनी पीड़ा बता सका। काफी देर बाद बच्चे के चाचा मरगूब वहां से गुजर रहे थे।

उनकी नजर लहूलुहान हालत में पड़े हम्जा पर पड़ी तो वह दौड़कर पहुंचे और किसी तरह कुत्तों को भगाकर बच्चे को बचाया। परिजन आनन-फानन में हम्जा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्सा प्रभारी डॉ. ध्रुवेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चे के शरीर पर कई गहरे घाव हैं।

प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में नगर पालिका और प्रशासन के प्रति गहरा रोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले चार महीनों में आवारा कुत्ते तीन बच्चों को अपना शिकार बना चुके हैं।

नगर पालिका और प्रशासन से कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बहन के घर जाने की जिद : पति ने नहीं सुनी, तो पत्नी ने अपनाया ये तरीका, महिला की हरकत से पुलिस के भी छूटे पसीने

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र में जोनल पार्क के पास एक निर्माणाधीन होटल की छत पर महिला चढ़ गई। उसने तीसरी मंजिल से कूदकर जान देने की धमकी दी। पति ने उसे बहन के घर जाने से मना कर दिया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब आधे घंटे तक उसे समझाया और सुरक्षित उतार लिया। इसके बाद पति पत्नी को उसकी बहन से मिलाने दिल्ली ले गया। घटना का वीडियो वायरल हुआ है।

बृहस्पतिवार शाम 6 बजे के करीब जोनल पार्क के पास एक महिला और उसके पति के बीच विवाद होने लगा। पत्नी पति से अपनी बहन के पास दिल्ली ले जाने की जिद कर रही थी। पति जाने से मना कर रहा था। गुस्से में आकर महिला निर्माणाधीन होटल की तीसरी मंजिल पर चढ़ गई।

छत पर खड़े होकर कूदने की धमकी देने लगी

सूचना पर थाना ताजगंज पुलिस पहुंच गई। पहले महिला को डांटकर उतरने को कहा तो वह नहीं मानी। महिला के सामने पति को डांटा और दिल्ली ले जाने की सहमति दिलवाई। इस दौरान एक पुलिसकर्मी छत पर चढ़ने लगा तो महिला गुस्से में आ गई। किसी के ऊपर आने पर कूदने की धमकी दी। करीब आधे घंटे बाद मान गई। थाना प्रभारी ने पति-पत्नी के बीच बातचीत करवाकर सुलह करवाई।

तेज रफ्तार बनी काल, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराई बाइक

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9 बजे पीआरवी 8899 को सूचना मिली कि गाजीपुर से लखनऊ की ओर जा रही बाइक माइल स्टोन 94.400 के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार कौशल पुत्र ओम प्रकाश निवासी बाजना देहात, मथुरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में मनीषा शर्मा और शिव कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को उपचार के लिए 100 शैया अस्पताल कुमारगंज भेजा गया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेज रफ्तार बस ने स्कूटी को मारी टक्कर, डॉक्टर की मौके पर ही मौत, छात्रा को कोचिंग छोड़ने जा रहे थे

आर्यावर्त संवाददाता

भोजपुर। भोजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में चिकित्सक की जान चली गई जबकि स्कूटी पर सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। डॉक्टर युवती को कोचिंग छोड़ने के लिए मुरादाबाद जा रहे थे। सामने से आ रही प्राइवेट बस ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, थाना डिलारी क्षेत्र के गांव राजपुर केसरिया निवासी डॉ. आरिफ (45) पुत्र यूसुफ सुबह करीब सात बजे भोजपुर की छात्रा को कोचिंग के लिए छोड़ने जा रहे थे।

जब वह भोजपुर प्राइवेट बस स्टैंड के पास पहुंचे तभी काशीपुर की ओर से आ रही प्राइवेट बस ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में डॉ. आरिफ और तेजस्वी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को तत्काल सीएचसी भोजपुर लेकर पहुंची। जहां चिकित्सकों ने आरिफ को मृत घोषित कर दिया। घायल तेजस्वी की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हादसे में शामिल प्राइवेट बस को कब्जे में लेकर थाने के बाहर खड़ा करा दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'महक अरोरा' से दोस्ती : फेसबुक से हुई पहचान, खौफनाक इरादों से अंजान था युवक, इस तरह गवां बैठा 11 लाख रुपये

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा में साइबर अपराधियों ने फेसबुक पर एक फर्जी महिला आईडी का इस्तेमाल कर एक युवक से 11 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने युवक को क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर लाभ का लालच दिया था। पीड़ित ने रकम निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने उससे संपर्क तोड़ दिया।

बेलनगंज के भैरो नाला निवासी सचिन शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले उनके फेसबुक खाते पर महक अरोरा नाम से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। रिक्वेस्ट स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और व्हाट्सएप नंबरों का आदान-प्रदान हुआ। ठग ने दोस्ती कर उन्हें भरोसे में लिया और खुद को क्रिप्टो करेंसी निवेश का विशेषज्ञ बताया।

उसने कहा कि कंपनी से जुड़कर निवेश करने पर कुछ ही कमीशन देकर भारी लाभ कमाया जा सकता है। ठग ने 30 फीसदी कमीशन का वादा कर निवेश करवाना शुरू किया। सचिन ने कई बार में अलग-अलग खातों में कुल 11 लाख रुपये ट्रांसफर किए। जब सचिन ने अपने मुनाफे की रकम निकालने की कोशिश की, तो आरोपियों ने व्हाट्सएप ग्रुप बंद कर दिया और उससे संपर्क तोड़ दिया। एडीसीपी साइबर क्राइम आदित्य कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

तंबाकू की लत का तोड़ है योग, क्रेविंग और स्ट्रेस भी होता है कम: एम्स स्टडी

क्या आप जानते हैं कि तंबाकू की लत से छुटकारा पाने का योग एक बेहतरीन इलाज है। एम्स, नई दिल्ली की एक नई रिसर्च में ये सामने आया है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि निकोटीन नहीं स्ट्रेस और इमोशनली कमजोर होना भी तंबाकू की लत का कारण बनते हैं। जानें क्या कहती है रिसर्च...

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की एक नई स्टडी में सामने आया है कि योग तंबाकू को छोड़ने में एक मददगार उपाय साबित हो सकता है। एम्स की स्टडी कहती है कि तंबाकू को छोड़ने के लिए सिर्फ निकोटीन की लत से बाहर निकलना काफी नहीं है। इसमें स्ट्रेस, चिंता और इमोशनल वजहों पर भी कंट्रोल जरूरी है। ये वो कारण हैं जो लोगों को फिर से तंबाकू के सेवन की आदत डाल देते हैं। योग करने से स्ट्रेस कम होता है और क्रेविंग्स पर कंट्रोल जैसे बेनिफिट्स मिलते हैं।

नई दिल्ली स्थित एम्स के शोधकर्ताओं ने पाया कि जो व्यक्ति योग की आदत डालते हैं उन्हें नशे से जुड़े साइक्लॉजिकल कारणों से निपटने में बेहतर मदद मिलती है। चलिए आपको बताते हैं कि रिसर्च में और क्या-क्या सामने आया। साथ ही जानें नशे की लत से बचने के लिए और कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं।

रिसर्च में क्या आया सामने

इस रिसर्च को निकोटीन एंड टोबैको रिसर्च के जनरल में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने ऐसे 629 लोगों को इसका हिस्सा बनाया जिन्हें किसी न किसी तरीके से तंबाकू के सेवन की लत थी। इसमें सात रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल्स किए गए। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने नियमित योग अभ्यास किया उनमें तंबाकू छोड़ने की सफलता 50 फीसदी ज्यादा थी।

सिर्फ निकोटीन नहीं इमोशन्स भी हैं लत का कारण

शोधकर्ताओं का कहना है कि तंबाकू की लत का कारण सिर्फ निकोटीन नहीं है। इसमें मेंटल स्ट्रेस, चिंता और लंबे समय से बनी हुई आदतें भी बड़ा रोल निभाती हैं। इसलिए जो लोग तंबाकू से छुटकारा पाना चाहते हैं उन्हें रोजाना योगासन, प्राणायाम और मेडिटेशन करना चाहिए। इन्हें करने से हर तरह का स्ट्रेस कम होता है और लोग इमोशनली स्ट्रांग भी बन पाते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एम्स नई दिल्ली के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च के संस्थापक एवं प्रभारी प्रोफेसर गौतम शर्मा ने कहा योग हमारे शरीर और मन दोनों स्तरों पर काम करने वाला एक होलिस्टिक तरीका है। ये वेट मैनेजमेंट, इमोशनल बैलेंस और सेल्फ केयर को बेहतर बनाता है। इन तीनों पर फोकस किया जाए तो किसी भी तरह की लत से बाहर निकला जा सकता है। उनके मुताबिक स्ट्रेस और मानसिक परेशानी की वजह से तंबाकू सेवन और दोबारा इसकी लत का कारण बनती है। इसलिए इन्हें करने के लिए हमें रोजाना योग करना चाहिए।

प्रोफेसर ने बताया कि प्राणायाम, मेडिटेशन और दूसरे योगासन हमारी मेंटल हेल्थ को मजबूत बनाती हैं। इस तरह प्रभावित इंसान तलब और स्ट्रेसफुल सिचुएशन का अच्छे से सामना कर पाता है।

कैसे छोड़े सिगरेट की लत

डॉक्टर सजीला मैनी (सीनियर कंसल्टेंट, मनोचिकित्सक, सर गंगाराम हॉस्पिटल) ने बताया कि सिगरेट को छोड़ना है तो इसे एक बार में बाय-बाय कह दें। इस तरीके को कोल्ड टर्की मेथड (Cold Turkey Method) कहते हैं। एक्सपर्ट ने कहा, सिगरेट को अगर हम कम करने की कोशिश करें 10 से 9 या 9 से 8 तो ये एक कामयाब तरीका नहीं है। एक्सपर्ट कहती हैं कि अगर 10 पी रहे हैं तो भी 0 कीजिए और 20 पी रहे हैं तो भी इसे 0 कर दीजिए।

कई देशों में की गई स्टडी

इस स्टडी में भारत ही नहीं अमेरिका और थाइलैंड समेत कई देशों के क्लिनिकल ट्रायल्स को शामिल किया गया है। इस दौरान प्रतिभागियों को प्राणायाम, मेडिटेशन और रिलैक्सेशन तकनीक शामिल थी। एक्सपर्ट कहते हैं कि अधिकतर लोग सिर्फ निकोटीन की तलब के कारण ही नहीं, बल्कि भावनात्मक तनाव और जीवन की कठिन परिस्थितियों के चलते भी दोबारा तंबाकू का सेवन शुरू कर देते हैं। योग के जरिए इमोशनली कंट्रोल या इसे स्ट्रांग करने में बेहतर हेल्प मिलती है। इस तरह सिगरेट या तंबाकू सेवन के दूसरे तरीकों से दूरी बनाए रखने में मदद मिलती है।

बरसात में कार चलाते समय अंदर के शीशे पर क्यों जमने लगता है भाप? यहां जानें इसे हटाने का तरीका

बारिश के मौसम में कार के अंदर अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि शीशे पर फॉग बन जाता है। आइए इस लेख में समझते हैं कि कार के शीशे पर फॉग क्यों बनता है और साथ ही ये भी जानते हैं कि इसे साफ करने का सही तरीका क्या है।

बरसात के मौसम में कार चलाते समय अक्सर अंदर के शीशों पर धुंधली भाप (फॉग) जमने लगती है। यह न सिर्फ सामने देखने में रुकावट डालती है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण भी बनती है। दरअसल, जब बाहर तेज बारिश के कारण तापमान कम होता है और कार के अंदर बैठे लोगों की सांसों और पसीने के कारण गर्मी और उमस बढ़ जाती है, तो यह गर्म हवा ठंडे शीशों से टकराकर भाप में बदल जाती है।

इस समस्या से निपटना बहुत आसान है। आइए इस लेख में समझते हैं कि गाड़ी चलाते समय ऐसा क्या जिससे धुंध न हो और अगर होता है तो उसे साफ करने का सही तरीका क्या है।

एसी के सही इस्तेमाल से हटाएं भाप

कार के अंदर की हवा को सुखाने और नमी को कम करने के लिए एसी को तुरंत चालू कर दें।

कार के अंदर का तापमान बहुत ठंडा रखने के बजाय बाहर के तापमान के बराबर (सामान्य) पर सेट करें।

कार के एयर वेंट को 'फ्रेश एयर' पर रखें, ताकि बाहर की हवा अंदर आ सके और नमी घटे।

डिफॉगर बटन का जादुई इस्तेमाल

हर आधुनिक कार के डैशबोर्ड पर मुड़े हुए तीरों वाला एक बटन होता है, इसे दबाते ही हवा सीधे मुख्य शीशे (विंडशील्ड) पर जाती है।

कार के पिछले शीशे पर बनी पतली लाइनों (डिफॉगर) को एक्टिवेट करने के लिए रियर डिफॉगर बटन दबाएं, जिससे वहां जमी भाप तुरंत साफ हो जाएगी।

अगर कार में एसी काम नहीं कर रहा है, तो चारों खिड़कियों के शीशों को एक-एक इंच नीचे गिरा दें ताकि हवा का दबाव बराबर हो जाए।

भाप जमने से रोकने के कुछ देसी और आसान हैक्स

कार चलाने से पहले शीशे के अंदरूनी हिस्से पर थोड़ा सा शैम्पू या कटे हुए आलू का रस रगड़कर साफ कपड़े से पोंछ लें।

ऐसा करने से शीशे पर एक पतली और अदृश्य परत बन जाती है, जो पानी की बूंदों या भाप को टिकने नहीं देती।

सूखे तंबाकू को गीले कपड़े में लपेटकर शीशे पर रगड़ने से भी बारिश के दौरान धुंध जमने की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाती है।

शीशा साफ करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

ड्राइविंग करते समय कभी भी हाथ या उंगलियों से शीशे की भाप को साफ न करें, इससे शीशे पर गंदे निशान पड़ जाते हैं।

हाथ के निशानों के कारण रात के समय सामने से आने वाली गाड़ियों की हेडलाइट की रोशनी फैलती है और रास्ता दिखना बंद हो जाता है।

अगर कपड़ा इस्तेमाल करना ही है, तो हमेशा एक साफ और सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े को कार के ग्लव बॉक्स में रखें।

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान? तो छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है चावल का यह घरेलू उपाय

आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं। ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है। कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है। जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे ब्लैकहेड्स कहते हैं। इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे व्हाइटहेड्स कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है।

चावल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसके दाने त्वचा पर जमा गंदगी को धीरे-धीरे हटाने में मदद करते हैं। जब चावल को हल्का दरदरा पीसा जाता है, तो उसके छोटे-छोटे कण चेहरे की ऊपरी परत पर जमी मृत त्वचा को साफ करने का काम करते हैं। इससे त्वचा पहले से ज्यादा साफ और ताजा महसूस होती है।

इस स्क्रब को बनाने के लिए सबसे पहले थोड़ा चावल लेकर उसे मिक्सर में हल्का पीस लें। ध्यान रखें कि चावल पूरी तरह पाउडर न बन जाए। इसके बाद इसमें थोड़ा कच्चा दूध मिलाएं। दूध त्वचा को मुलायम रखने में मदद करता है और चेहरे पर जमी गंदगी की पकड़ ढीली करता है। फिर इसमें थोड़ा गुलाब जल मिला लें। गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी देने के लिए जाना जाता है। इन तीनों चीजों को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

जब यह पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे चेहरे पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए कुछ मिनट तक मसाज करें। नाक के आसपास के हिस्से पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें, क्योंकि ब्लैकहेड्स सबसे ज्यादा वहीं दिखाई देते हैं। चावल के छोटे कण त्वचा की ऊपरी परत पर जमी गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करते हैं।

मसाज करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। स्क्रब करने के बाद त्वचा को नमी की जरूरत होती है, इसलिए मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा मुलायम बनी रहती है।

₹20 का लालच पड़ा भारी, ₹340 की सिगरेट ₹360 में बेची, अब भरना पड़ेगा 10 लाख का जुर्माना!

अलीगढ़ में एक दुकानदार को सिगरेट के पैकेट पर छपे MRP से 20 रुपये ज्यादा वसूलना भारी पड़ गया। उपभोक्ता आयोग ने दुकानदार और सिगरेट निर्माता कंपनी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए ग्राहक को मुआवजा देने का आदेश दिया।

किसी भी सामान को खरीदते समय पैकेट पर लिखी अधिकतम खुदरा कीमत (MRP) पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक दुकानदार को सिगरेट के पैकेट पर सिर्फ 20 रुपये अधिक वसूलना भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन मानते हुए न केवल दुकानदार बल्कि सिगरेट बनाने वाली कंपनी पर भी 10 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। यह फैसला ग्राहकों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा संदेश माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सामने आए इस मामले ने उपभोक्ता अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिकायतकर्ता देवेश गौतम ने 29 जनवरी को जिला उपभोक्ता आयोग के सामने स्थित एक दुकान से सिगरेट का पैकेट खरीदा था। पैकेट का MRP 340 रुपये था, लेकिन दुकानदार हीरा लाल वार्ष्णेय ने इसके बदले 360 रुपये की मांग की। ग्राहक ने इसका विरोध किया और MRP से अधिक कीमत वसूलने पर आपत्ति जताई। हालांकि दुकानदार नहीं माना और ग्राहक को मजबूरन 360 रुपये का भुगतान करना पड़ा। बाद में ग्राहक ने ऑनलाइन भुगतान का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा और इसकी शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग में कर दी।

सुनवाई में नहीं पहुंचा दुकानदार

मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी दुकानदार आयोग के सामने पेश नहीं हुआ। इसके बाद आयोग ने उसके खिलाफ एकपक्षीय कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं सिगरेट बनाने वाली कंपनी ITC को भी मामले में पक्षकार बनाया गया। सुनवाई के दौरान ITC ने कहा कि संबंधित दुकानदार उसका अधिकृत विक्रेता नहीं है और कंपनी का उसकी बिक्री गतिविधियों पर कोई सीधा नियंत्रण नहीं है। कंपनी ने यह भी दावा किया कि वह किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनुचित व्यापारिक गतिविधि में शामिल नहीं है।

उपभोक्ता आयोग ने क्या कहा?

आयोग ने कंपनी की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। आयोग का मानना था कि दुकानदार कंपनी के उत्पाद बेच रहा था, इसलिए वह उत्पाद की बिक्री श्रृंखला का हिस्सा है। आयोग ने कहा कि निर्माता कंपनी अपने उत्पाद की बिक्री में होने वाली अनियमितताओं से पूरी तरह जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 39(1)(के) के तहत आयोग ने दुकानदार और कंपनी दोनों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह राशि उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा कराई जाएगी।

शिकायतकर्ता को मिलेगा मुआवजा

आयोग ने आदेश दिया कि शिकायतकर्ता से वसूले गए अतिरिक्त 20 रुपये 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ लौटाए जाएं। इसके अलावा मानसिक उत्पीड़न के लिए 5,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के लिए 5,000 रुपये अलग से दिए जाएंगे। आयोग ने दोनों पक्षों को 45 दिनों के भीतर आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है। यदि तय समय में आदेश का पालन नहीं किया गया तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 72 के तहत आगे की दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। यह फैसला ग्राहकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और MRP से अधिक कीमत वसूले जाने पर आवाज उठाने का संदेश देता है।

राशन कार्ड पर बड़ा अपडेट! फर्जी नाम हटने के बाद 3 करोड़ और कार्ड जारी कर सकती है सरकार

PDS से 2.21 करोड़ अयोग्य लाभार्थियों के नाम हटने के बाद सरकार करीब 3 करोड़ नए राशन कार्ड जारी करने पर विचार कर रही है। इसका मकसद पात्र परिवारों तक मुफ्त राशन और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

देशभर में राशन वितरण व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने की दिशा में सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) से लाखों अयोग्य लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद अब करीब 3 करोड़ नए पात्र लोगों को राशन कार्ड जारी किए जा सकते हैं। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्यों को योग्य परिवारों को जोड़ने की अनुमति दी गई है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके।

केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में राशन कार्ड धारकों को लेकर एक बड़ा फैसला सामने आया है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि फर्जी और अयोग्य लाभार्थियों के नाम हटने के बाद देश में लगभग 3 करोड़ नए राशन कार्ड जारी करने की संभावना बन गई है।

प्रह्लाद जोशी ने बताया कि खाद्य मंत्रालय ने देशभर में 8.51 करोड़ ऐसे लाभार्थियों की पहचान की थी जो राशन योजना के पात्र नहीं थे। इनमें मृत व्यक्ति, आयकरदाता और चार पहिया वाहन रखने वाले लोग शामिल थे। मंत्रालय ने यह सूची राज्यों को भेजी थी ताकि वे अपने स्तर पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर सकें। मंत्री के अनुसार अब तक विभिन्न राज्यों ने कुल 2.21 करोड़ अयोग्य लाभार्थियों के नाम राशन कार्ड सूची से हटा दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई राज्यों ने अपने नियमों और सत्यापन प्रक्रिया के आधार पर की है, न कि केंद्र सरकार ने सीधे तौर पर किसी का नाम हटाया है।

अभी 80 करोड़ लोगों को मिल रहा है मुफ्त राशन

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्यों को अब पात्र लोगों को राशन प्रणाली में शामिल करने की अनुमति दी गई है। इससे लगभग 3 करोड़ नए लाभार्थियों को राशन कार्ड मिलने का रास्ता खुल सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में करीब 79 करोड़ लोग सरकारी राशन योजना का लाभ ले रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के तहत 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त अनाज पहुंचाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि PDS के डिजिटाइजेशन से वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी है। आधार आधारित प्रमाणीकरण और ई-पॉस मशीनों के जरिए 98.15 प्रतिशत राशन वितरण की पुष्टि की जा रही है। इसके अलावा स्मार्ट वेयरहाउस और आधुनिक डिपो जैसी तकनीकों को भी तेजी से अपनाया जा रहा है। सरकार का कहना है कि उसका उद्देश्य खर्च कम करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अनाज वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। इसी दिशा में राशन वितरण प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा MoU, यूएस झुका या ईरान जीता?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का

इस्तेमाल किया। खामेनेई ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान

हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर G7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज़ को फिर से खोलने की अनुमति देता है।'

जिनेवा वार्ता पर भी बनी सहमति

औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी।

'इस्लामाबाद MoU' में क्या-क्या है खास?

इस दस्तावेज का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है।

नाकेबंदी हटेगी, सेना लौटेगी

इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

अब 60 दिनों में होगा अंतिम फैसला

मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद दोनों पक्षों के पास एक व्यापक अंतिम समझौते की शर्तों पर बातचीत करने के लिए 60 दिन हैं। आने वाले दिनों में यह तय होगा कि यह समझौता मध्य पूर्व में स्थायी शांति की नींव बनता है या फिर एक नई कूटनीतिक परीक्षा साबित होता है।

'सिंधु जल समझौता अब पुराना': आतंक फैलाने वाले सहयोग की उम्मीद न रखें, UN में भारत की पाकिस्तान को दो टूक

जिनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। भारत ने 1960 के सिंधु जल समझौते को आज के समय के हिसाब से पुराना और बेकार बताया है। भारत ने साफ शब्दों में कहा कि जो देश आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति की तरह इस्तेमाल करता है, वह दोस्ती और सहयोग के फायदों की उम्मीद नहीं कर सकता। संयुक्त राष्ट्र में भारत की सचिव अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान के आरोपों का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख बिल्कुल साफ है। यह तर्क से परे है कि एक तरफ पाकिस्तान आतंक का निर्यात करता है और दूसरी तरफ सद्भावना पर टिके समझौते का लाभ चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1960 में हुई यह संधि अब पुरानी पड़ चुकी है।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की। स्टार्मर ने पद छोड़ने से इन्कार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटइंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

स्ट्रीटइंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटइंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं। ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था। उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया।

ट्रंप के दावे गलत, फ्रांस में बोले थे US के राष्ट्रपति- मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज : शिनबाम

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे को खारिज कर दिया है। जिसमें उन्होंने कहा था कि मेक्सिको को पूरी तरह से ड्रग कार्टेल (नशीली दवाओं के गिरोह) चला रहे हैं। ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान शिनबाम को एक बहुत डरी हुई महिला भी कहा था।

मेक्सिको सिटी के नेशनल पैलेस में अपनी रोजाना की मीडिया वार्ता में शिनबाम ने ट्रंप की टिप्पणियों पर किसी भी विवाद से बचने की कोशिश की। फ्रांस के इवियन-लेस-बेंस में हुई इस बैठक में ट्रंप ने मेक्सिको की स्थिति पर सवाल उठाए थे। शिनबाम ने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि यह कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रंप पहले भी ऐसी बातें कह चुके हैं। उनके अनुसार, ट्रंप के संवाद

करने का अपना एक अलग तरीका है और हमें उनके हर बयान को पकड़कर नहीं बैठना चाहिए।

शिनबाम ने जोर देकर कहा कि ट्रंप के पास सही और पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने अपनी सरकार की अपराध विरोधी रणनीति और अपनी सुरक्षा टीम की मेहनत का बचाव किया। राष्ट्रपति ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश में जानबूझकर की जाने वाली हत्याओं और हिंसा के अन्य मामलों में कमी आई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऐसा कोई भी फैसला नहीं लेंगी जिससे मेक्सिको की आजादी और संप्रभुता को नुकसान पहुंचे।

इससे पहले ट्रंप ने अपने भाषण में दावा किया था कि पानी के रास्ते होने वाली नशीली दवाओं की तस्करी में 90 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। अब उनका पूरा ध्यान जमीन के रास्ते अमेरिका में घुसने वाली दवाओं पर है। ट्रंप ने कहा था कि ये दवाएं मेक्सिको के रास्ते आती हैं और मेक्सिको ने अपने देश पर से नियंत्रण खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि वहां के गिरोह पूरे देश को चला रहे हैं। ट्रंप ने शिनबाम को एक अच्छी महिला तो बताया, लेकिन साथ ही उन्हें डरा हुआ भी करार दिया।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। शिनबाम अपने देश के उन बड़े राजनेताओं को बचाने की कोशिश कर रही हैं, जिन पर अमेरिका में आरोप लगे हैं या ड्रग गिरोहों से संबंधों के लिए जांच चल रही है।

सीएपीएफ इंस्पेक्टरों की बड़ी जीत, योग्य कार्मिकों को अब 5400 का 'ग्रेड पे', अदालत में आने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में कार्यरत उन हजारों इंस्पेक्टरों को दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है, जो नियमानुसार 5400 रुपये के 'ग्रेड-पे' आने के हकदार हैं। फिलहाल ये इंस्पेक्टर 48 सौ रुपये के 'ग्रेड-पे' में हैं। केंद्र सरकार में बाकी सभी महकमों के कार्मिकों को इस गैर-कार्यात्मक उन्नयन (एनएफयू) का फायदा मिल रहा है, लेकिन सीएपीएफ में इसे लागू नहीं किया गया। नतीजा, इसके लिए इंस्पेक्टरों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि जब एक बार निर्णय हो गया है तो उस जैसे बाकी मामलों में भी वही फैसला लागू होगा। जो फायदा किसी एक कार्मिक को मिला है तो वह बाकी को भी मिलना चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बैंच ने याचिकाकर्ता नवीन कुमार जो असम

राइफल में सूबेदार के पद पर कार्यरत है, के मामले में यह फैसला दिया है। जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और जस्टिस अमित महाजन ने गैर-कार्यात्मक उन्नयन (एनएफयू) के इस फैसले में आईटीबीपी के इंस्पेक्टर सुशील कुमार बनाम भारत सरकार एवं अन्य, रिट पिटीशन संख्या 690/2022 को आधार बनाया है। असम राइफल का सूबेदार, बाकी केंद्रीय बलों में इंस्पेक्टर रैंक के बराबर होता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता नवीन कुमार भी 5400 रुपये के ग्रेड पे का अधिकारी है। सुशील कुमार की तरह नवीन कुमार उक्त वित्तीय फायदा लेने के योग्य है।

हाईकोर्ट ने कहा, जब एक बार निर्णय हो गया है तो एक जैसे सभी मामलों में याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग कोर्ट में आने के लिए मजबूर करना ठीक नहीं है। जो फायदा एक को मिला है, वह सभी को मिलना चाहिए। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा है कि ये फायदे कानून के अनुसार सभी योग्य कार्मिकों को दिए जाएं। सरकार को इन्हें खुद ही लागू कर देना चाहिए। डिवीजन बैंच ने कहा है, अगर ऐसा कोई मामला, जिसमें याचिकाकर्ता किसी फायदे को लेने का अधिकारी है और सरकार उसे न देकर कोर्ट में आने को मजबूर करती है तो उस स्थिति में अदालत सख्त कदम उठा सकती है। बैंच ने नवीन कुमार को चार सप्ताह में 5400 रुपये का ग्रेड पे देने का आदेश दिया है।

क्या है 5400 रुपये 'ग्रेड पे' का मामला

सीएपीएफ में वित्त मंत्रालय का 2008 में जारी हुआ एक कार्यालय ज्ञापन लागू नहीं किया जा रहा। यह केंद्र सरकार के बाकी विभागों में तो लागू होता है, लेकिन केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के इंस्पेक्टरों को इससे बाहर रखा जा रहा है। इस कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि जिन कर्मियों का 48 सौ रुपये का 'ग्रेड पे' है और वे उसमें चार साल की सेवा पूरी कर चुके हैं तो उनका 'ग्रेड पे' 54 सौ रुपये हो जाएगा। केंद्रीय बलों में इस नियम को लागू कराने के लिए निरीक्षकों को अदालत की शरण लेनी पड़ रही है। सबसे पहले आईटीबीपी इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने यह लड़ाई जीती थी। अब उन्हें 5400 रुपये का ग्रेड पे और सहायक कमांडेंट का पद मिल गया है। हालांकि सुशील कुमार ने सुप्रीम कोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीती है। उनके मामले में सरकार, सुप्रीम में एलएलपी में गई थी। जब एसएलपी खारिज हुई तो सरकार, रिव्यू पिटीशन में चली गई। दोनों ही मामलों में सरकार को हार का सामना करना पड़ा।

सीआरपीएफ इंस्पेक्टरों को जीत मिली, फायदा नहीं

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' के ऐसे सैंकड़ों इंस्पेक्टर, जो लंबे समय से अदालत में अपने हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं, को फरवरी में दोहरी जीत मिली थी। इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह, सुरेश कुमार यादव व अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीआरपीएफ/सरकार की एसएलपी खारिज कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि जिन इंस्पेक्टरों का 48 सौ रुपये का 'ग्रेड पे' है और वे उसमें चार साल की सेवा पूरी कर चुके हैं, उन्हें 54 सौ रुपये का 'ग्रेड पे' मिलेगा। इसके खिलाफ सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। दूसरा, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर सुरेश यादव व अन्य 71 इंस्पेक्टरों ने दिल्ली हाईकोर्ट में अवमानना याचिका लगाई थी। इसमें कहा गया था कि सीआरपीएफ, हाईकोर्ट के फैसले को लागू नहीं कर रही है। इस केस में हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ/सरकार को नोटिस जारी किया था। हालांकि अभी तक इंस्पेक्टरों को यह फायदा नहीं मिल सका है।

बीएसएफ इंस्पेक्टरों को नहीं मिला फायदा

'सीएपीएफ' में जवान/अधिकारी, जब भी अपनी पदोन्नति, भत्ते एवं दूसरे आर्थिक फायदे, जिनमें गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन (एनएफएफयू) भी शामिल है, को लेकर अदालत से लड़ाई जीतते हैं तो उस मामले में कोई न कोई बाधा खड़ी कर दी जाती है। 48 सौ रुपये के 'ग्रेड पे' में चार साल की सेवा पूरी करने वाले इंस्पेक्टरों को 54 सौ का ग्रेड पे देना, अदालती लड़ाई जीतने के बावजूद याचिकाकर्ताओं को यह फायदा नहीं मिल सका। बीएसएफ के 129 इंस्पेक्टरों द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीतने के बाद बल मुख्यालय ने अपने स्पीकिंग ऑर्डर में ऐसे तर्क दिए कि इंस्पेक्टर हैरान रह गए। कहा गया कि केंद्र सरकार के दूसरे विभागों में समान वेतनमान वाले कर्मियों को जो आर्थिक फायदे मिलते हैं, वे बीएसएफ में इंस्पेक्टरों 'जीडी' के लिए नहीं हैं।

BJP का UP-Punjab पर फोकस, दिग्गज नेताओं को सौंपी जा सकती है कमान, चुनाव के लिए रणनीति तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी लीडरशिप उत्तर प्रदेश और पंजाब में चुनावी रणनीति की देखरेख के साथ-साथ कई सीनियर और चुनावी मामलों में माहिर नेताओं- जिनमें दो-तीन केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं—को संगठन की अहम ज़िम्मेदारियां सौंपने पर विचार कर रही है। यह कदम RSS के पदाधिकारियों के साथ हाल ही में हुई बातचीत के बाद उठाया जा रहा है। संगठन और चुनाव से जुड़े अहम कामों के लिए जिन नेताओं पर विचार किया जा रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भूपेंद्र यादव, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ, और सीनियर रणनीतिकार सुनील बंसल शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में हालिया सफलता से उत्साहित होकर, बीजेपी ने सात राज्यों में होने वाले अगले दौर के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें उत्तर प्रदेश और पंजाब पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अभी पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है।

टाइगर प्रिंट ड्रेस में दिशा पाटनी ने दिए दिलकश पोज

अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने स्टाइलिश लुक और खूबसूरती को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी फिटनेस के फैंस कायल हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे बोल्ड पोज देती दिख रही हैं।

दिशा पाटनी 34 वर्ष की हो गई हैं। अपने हालिया पोस्ट में उन्होंने कुछ दिलकश फोटोज शेयर किए हैं।

दिशा टाइगर प्रिंट की वेस्टर्न ड्रेस पहने दिख रही हैं। उन्होंने अलग-अलग अंदाज में स्टाइलिश पोज दिए हैं।

दिशा पाटनी ने बिल्ली के साथ भी पोज दिए हैं। उनका यह अंदाज देख कोई उन्हें शेरनी कह रहा है तो कोई उन्हें जंगली बिल्ली बता रहा है।

कुछ नेटिजंस उनके पोस्ट पर मौनी रॉय को लेकर कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे है, तस्वीरों में मौनी रॉय भी होनी चाहिए थीं। बता दें कि दिशा और मौनी रॉय बेस्ट फ्रेंड हैं।

दिशा के करियर की बात करें तो उन्होंने शुरुआत साल 2015 में आई तेलुगु फिल्म लोफर से की थी। इसमें उन्होंने मौनी नाम की एक लड़की का रोल निभाया था।

साल 2016 में दिशा ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म एम.एस. धोनीः द अनटॉल्ड स्टोरी थी।

ग्राम चिकित्सालय- 2 में मेरा किरदार नई जिम्मेदारियों और बड़ी चुनौतियों का सामना करेगा: आकांक्षा रंजन कपूर

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और

बड़े सफर का हिस्सा बना है।

उन्होंने आगे कहा, दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।

ग्राम चिकित्सालय के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया।

शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

मोहनलाल की दृश्यम 3 ने विदेशी बॉक्स ऑफिस लूटा, बनी मॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म

मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी। ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी इंस्टॉलमेंट को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं 18 जून को ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो रही है। ऐसे में अब ये दुनिया भर के सिनेमाघरों में अपनी कमाई का सफर खत्म करने वाली है। वहीं ओवरसीज में तो फिल्म का थिएट्रिकल रन तकरीबन खत्म सा ही हो गया है। चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने ओवरसीज में कितना कलेक्शन किया है?

मोहनलाल की मलयालम क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 इंटरनेशनल लेवल पर ब्लॉकबस्टर रही है। इसने अपने थिएट्रिकल रन के दौरान मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका (यूएसए और कनाडा) और यूके (यूके-आयरलैंड) में जबरदस्त परफॉर्म किया है।

वहीं लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक मिडिल ईस्ट रीजन से इसने $6।47 मिलियन से ज़्यादा की कमाई हुई है, जोकि इंडियन करेंसी के हिसाब से 61।17 करोड़ से ज़्यादा है। नॉर्थ अमेरिका क्षेत्र से इसकी कमाई $1।97 मिलियन से ज़्यादा है जो भारतीय रुपयों में 18।61 करोड़ से ज़्यादा है। वहीं यूके में इसने $1।42 मिलियन से ज़्यादा कमाए हैं, जो भारतीय रुपयों में 13।41 करोड़ से ज़्यादा है। कुल मिलाकर, दृश्यम 3 ने अपनी रिलीज के 26 दिनों में ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 111।7 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई की है।

यह एक शानदार आंकड़ा है, जिससे यह एल2: एम्पुरान (142।25 करोड़ रुपये) के बाद मोहनलाल की दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फ़ल्मि बन गई है।

दृश्यम 3 111।7 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिलहाल ओवरसीज़ बॉक्स ऑफिस पर तीसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फ़ल्मि का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है और यह इसी पायदान पर अपना सफ़र खत्म करेगी। वहीं दूसरी पोजिशन हासिल करने के लिए, इसे लोकाह चैप्टर 1 – चंद्रा के 119।9 करोड़ रुपये को मात देनी होगी। इसके लिए इसे 8।2 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। लेकिन मोहनलाल की इस फ़ल्मि का सफ़र लगभग खत्म हो चुका है, इसलिए लोकाह चैप्टर 1 – चंद्रा को पछाड़ना अब इसके लिए नामुमकिन है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com